फॉरएवर

गुड हेल्थ

एलो के संग

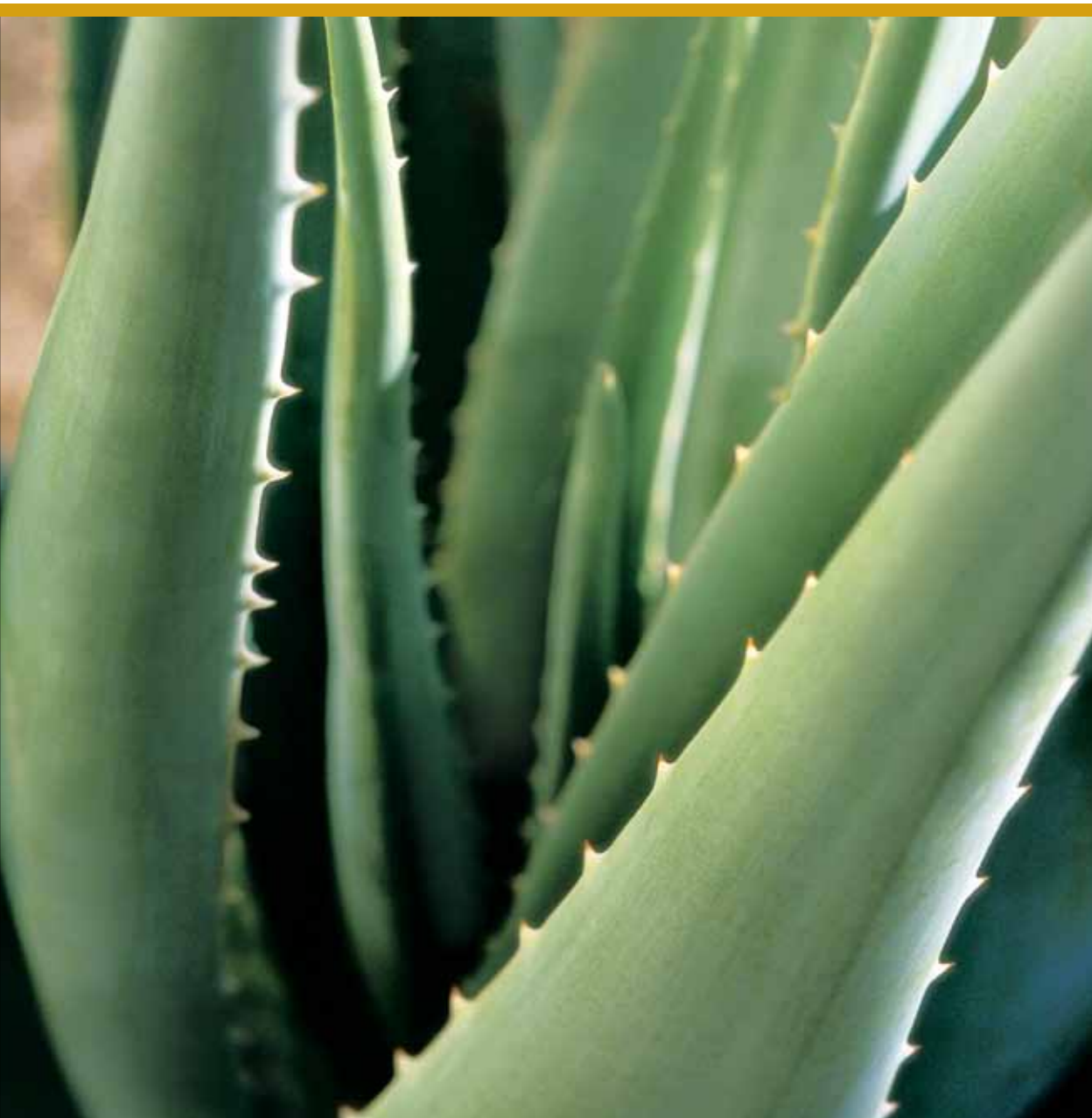

विषय सूची

खंड 1	पृष्ठ
प्रस्तावना	3
एलो और उसके उपयोगों को समझना	4
पूरी पत्ती बनाम स्टैबिलाइज़्ड भीतरी जेल/घर में उगाए गए बनाम ऑर्गेनिक (जैविक) रूप से उगाए गए एलो	7
एलो के वे तथ्य जिनके बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है	8
एलो वेरा– संक्षिप्त में	10
एलो वेरा के सर्टिफाइड उत्पाद	11

खंड 2	
विषहरण और एलो वेरा जेल	12
हीलिंग क्राइसिस और एलो वेरा जेल	13
पाचन और एलो वेरा जेल	14
• पाचन तंत्र	15
• गट फीलिंग	16
दंत्य देखभाल और एलो वेरा जेल	18
स्किन केयर और एलो वेरा	20
• त्वचा की परतें	21
• प्रदूषक और त्वचा	22
प्रमाण	23

खंड 3	
फॉरएवर लिविंग प्रॉडक्ट्स–हम कौन हैं	26
फॉरएवर लिविंग प्रॉडक्ट्स ही क्यों?	28
मैं फॉरएवर लिविंग एलो क्यों खरीदूँ ?	30
एक्रीडिटेशन्स	31

एलो वेरा-प्रस्तावना

3,500 से भी ज़्यादा सालों से, "हीलिंग एलो वेरा" पौधों की कथाएँ कई शताब्दियों से पीढ़ी दर पीढ़ी बताई जा रही हैं. इतिहास का शायद यही एकमात्र औषधीय पौधा है, जिसके बारे में सबसे ज़्यादा चर्चा की गई है लेकिन जिसे सबसे कम समझा गया है. बाइबल में क्राइस्ट को क्रॉस से उतारना और उनके शरीर को एलो और मायर में लपेटने (जॉन 19: 39) के ज़िक्र से लेकर, हम इसके कई औषधीय गुणों के लिए कई प्रमाणों के साथ, इतिहास के लगभग हर चरण में इसे रहस्यमय रूप से पाएँगे. एलो वेरा के उपयोग का सबसे पहला सबूत प्राचीन मिस्र से मिला है, लेकिन राजा सोलोमोन द्वारा भी इसे उगाया और उपयोग किया जाता था, माना जाता है कि वे इसे बेशकीमती मानते थे.

अपनी सेना के लिए ऐलो पाने की खातिर महान एलेक्ज़ेंडर ने सोकोट्रा के टापू पर कब्ज़ा किया. पूर्वी दिशा में अपनी प्रसिद्ध यात्राओं के दौरान, मार्को पोलो द्वारा लिखे गए उन अनेक आश्चर्यों में से एक, एलो वेरा पौधे के अनेक उपयोगों के विवरण भी हैं. स्पैनिश कॉन्क्विस्टाडोर्स ने पाया कि टेनोच्टिट्लान (अब मेक्सिको शहर) में अनेक जड़ी बूटियों वाली दवाएँ उपयोग की जाती हैं. माना जाता है कि कई एज़्टेक इलाजों में, सबसे प्रभावशाली तत्व एलो वेरा था. सोलहवीं शताब्दी के दौरान, स्पैनिश लोगों द्वारा एज़्टेक जड़ी बूटियों वाली दवाएँ वापस यूरोप भेज दी जाती थी, जहाँ वे आधुनिक पश्चिमी दवाओं का आधार बनीं.

एलो वेरा उत्तरी अफ्रीका के मूल एलो की प्रजाति है. यह एक तना है जो छोटे या बहुत ही नाटे तने वाला 30–36 इंच तक बढ़ने वाला गूदेदार पौधा है, जो शाखाओं और अंकुरित जड़ों द्वारा फैलता है. काफी लंबे समय से एलो वेरा घर में उगाया जाने वाला पसंदीदा पौधा है. अक्सर "चमत्कारी पौधा" या "कुदरती रोगहर" कहा जाने वाला एलो वेरा कई आश्चर्यों वाला पौधा है. यह गर्म और सूखे मौसमों में बढ़ता है, और कई लोगों को इसकी मांसल कांटेदार पत्तियों के कारण यह कैक्टस जैसा लगता है. दर असल यह लिली परिवार का सदस्य है, नमीं की बर्बादी रोकने के लिए अपने छिद्रों को बंद करके यह तब भी नम रहता है जब अन्य पौधे मुरझा और सूख जाते हैं.

एलो की 400 से भी ज़्यादा प्रजातियाँ हैं, लेकिन एलो बार्बाडेन्सिस मिलर (एलो वेरा या "असली एलो") पौधा ही ऐसा है जो अपने औषधीय गुणों के कारण मनुष्यों के लिए सबसे ज़्यादा फायदेमंद है. पूरी तरह उगे हुए पौधे की लंबाई 30–36 इंच तक होती है और परिपक्व पत्ती आधार पर 2.5–3 इंच तक चौड़ी होती है और उसका वज़न 1.5 से 2 किलो होता है.

एलो पत्ती की संरचना चार परतों से होती है :

1) छाल–सबसे बाहरी रक्षात्मक परत;

2) रस–कड़वे तरल की परत जो पौधे की पशुओं से रक्षा करने में मदद करती है;

3) श्लेष्मक जेल–पत्ती का अंदरूनी हिस्सा जिसकी कतलियाँ बनाकर एलो वेरा जेल बनाया जाता है, और

4) एलो वेरा (अंदरूनी जेल) में 8 आवश्यक अमिनो एसिड्स होते हैं जिनकी ज़रूरत इन्सान को होती है लेकिन शरीर उसे बना नहीं सकता.

हमारा मानना है कि आप समझ जाएँगे (जैसे हम जान गए हैं) कि एलो वेरा हमारे शरीर के लिए–बाहरी रूप से और आंतरिक रूप से कितना फायदेमंद है. एलो वेरा में रोग ठीक करने के कुछ बहुत ही बढ़िया कुदरती गुण हैं जिसकी वजह से इसे "चमत्कारी पौधे" का नाम दिया गया है.

एलो और उसके उपयोगों को समझना

एलो वेरा को उपयोग करने के फायदों को प्राचीन समय में ही जान लिया गया था. आज भी, लोग एलो वेरा को उसके अनेक पौष्टिक और रोगहर गुणों के लिए उपयोग करते हैं. कई लोगों द्वारा एलो पत्ती का गूदा (जेल) बाहरी और आंतरिक रूप से उपयोग किया जाता है. लेकिन, एलो वेरा उत्पाद को उपयोग करने के फायदे जानने से पहले, आपको एलो वेरा के बारे में जानना चाहिए.

एलो वेरा पौधे के अंदर जेल होता है जिसे रोग ठीक करने के लिए लोग सदियों से उपयोग कर रहे हैं. यह जेल एलो वेरा पौधे की पत्तियों को काटकर या छीलकर निकाला जाता है. देखा जाए तो, एलो वेरा पौधा काटे या छीले जाने पर खुद का इलाज कर लेता है. गौर से देखने पर पाया गया कि, एलो वेरा पत्ती को काटने या छीलने पर तरल (जेल) और पौधे का जीवनदायी खून रीसने लगता है. लेकिन कुछ ही सेकंड बाद, पौधे अपने ज़ख्म पर एक परत बना लेते हैं. कुछ पलों बाद, पौधे के ज़ख्म के चारों तरफ रबड़ जैसी परत रक्षात्मक परत बनने लगती है. कुछ ही समय बाद, पौधे का ज़ख्म पूरी तरह भर जाता है. ऐसा होते हुए देखने से, लोगों को पता चल गया कि एलो वेरा पौधे में खुद को ठीक करने की क्षमता है और संभावना है कि वह इंसानी ज़ख्म को भी इसी तरह ठीक कर सके.

बाहरी उपयोग

एलो वेरा त्वचा का इलाज करने के लिए जाना जाता है. इस बात की गवाही बहुत से लोग देंगे कि एलो वेरा बड़ी तेजी से उनकी त्वचा में प्रवेश करता है और उनकी त्वचा को सोचे गए किसी भी अन्य माध्यम की अपेक्षा ज़्यादा जल्दी ठीक करता है. एलो वेरा इसी तरीके से एलो वेरा स्किन केयर उत्पादों में प्रयोग किया जाता है. यह हो सकता है : एलो वेरा लोशन, एलो वेरा क्रीम्स और ऐलो वेरा जेल्स. लोग कटी, छिली और जली हुई त्वचा ठीक करने के लिए एलो वेरा स्किन केयर उत्पाद उपयोग करते हैं. गर्भवती महिलाएँ स्ट्रेच मार्क्स हटाने के लिए एलो वेरा लोशन और ऐलो वेरा जेल का उपयोग करती हैं. लोग धब्बों और झुर्रियों को कम करने के लिए भी एलो वेरा का उपयोग करते हैं.

जलन : जली हुई त्वचा के लिए एलो वेरा के रोगहर गुण अतुलनीय हैं. अध्ययनों से पता चला है कि एलो वेरा त्वचा की नई कोशिकाएँ बनने में मदद करता है और ठीक करने की प्रक्रिया तेज़ करता है. एलो वेरा पौधे में प्रज्जवलन कम करके और जलने के कारण त्वचा की खराब कोशिकाओं पर पनपने वाले बैक्टीरिया और अन्य बाहरी जीवाणुओं को मारकर उत्तकों की स्वस्थ वृद्धि को बढ़ावा देने के आवश्यक पोषक प्रदान करने की क्षमता है. ऐलो वेरा का ठंडक प्रदान करने वाला तत्व जलन से तुरंत राहत देता है और जलने के तुरंत बाद लगाए जाने पर छाले पड़ने से बचाता है, काफी हद तक कम कर देता है.

त्वचाविज्ञान : त्वचाविज्ञान में एलो वेरा का उपयोग व्यापक पैमाने पर किया जाता है. इसे सेबोर्रिया, हर्पिस, लाल धब्बों, सोरायसिस, एग्ज़िमा, मायकोसिस और बुखार के छालों के उपचार में प्रभावशाली माना जाता है.

एलर्जिस: यह साबित हो चुका है कि एलो वेरा एलर्जिस और कीड़े के डंक के कारण होने वाली खुजली के साथ-साथ इंसानों और जानवरों दोनों को ठीक करने में मदद करता है.

कॉस्मेटिक्स : एलो वेरा कॉस्मेटिक्स स्किन केयर और मेक-अप एक साथ प्रदान करता है. 100% शुद्ध एलो वेरा और एंटीऑक्सीडेंट विटामिन्स की कुदरती सामग्रियों के मिश्रण से लेकर मरीन तत्व और कैमोमाइल आपकी त्वचा की रक्षा करेंगे, पोषण देंगे और मुलायम बनाएँगे. एलो वेरा कॉस्मेटिक्स के साथ, आप खूबसूरत दिख सकते हैं और साथ ही अपनी त्वचा को पोषण भी दे सकते हैं.

स्किन केयर : एलो वेरा को त्वचा की कई तरह की अवस्थाओं के उपचार के लिए भी उपयोग किया जा सकता है. यह थोड़ी कटी, छिली और खुरची हुई त्वचा को स्वस्थ बनाने में बढ़ावा देता है. यह चोटों को बंद कर देता है और त्वचा की नई कोशिकाएँ बनने में मदद करता है. एलो वेरा जली हुई, धूप ताम्रता और हिमदाह को ठीक करने में भी काम आता है. यह जले हुए ऊतकों में रक्त का प्रवाह बढ़ाता है, जिससे नष्ट हो चुकी कोशिकाएँ काफी तेज़ गति से ठीक होती हैं. इसमें ऐसे एंज़ाइम्स भी हैं जो दर्द से छुटकारा दिलाते हैं, प्रज्जवलन कम करते हैं और लाली कम करते हैं. इसमें एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण भी हैं.

सिर की त्वचा और बालों की देखभाल : इसमें कोई रहस्य नहीं है कि एलो वेरा आपके बालों और सिर की त्वचा के लिए भी अच्छा है. एलो वेरा शैम्पू कई सालों से प्रचलन में हैं. जब बालों की बात आती है, तो आपके बालों के संपर्क में आने वाले ऐसे केमिकल बहुत ही कम हैं जो बालों के लिए बेहतर हैं. एलो वेरा कुदरती हेयर कंडीशनर की तरह काम करता है और केमिकल आधारित कंडीशनरों की जगह पर उपयोग किया जा सकता है. यदि आपके बाल बहुत ज़्यादा गिर रहे हैं, तो सबसे पहले उठाया जाने वाला महत्वपूर्ण कदम है अपने बालों में डाले जाने वाले रसायनों की मात्रा कम करना. सिर की त्वचा पर एलो वेरा के साथ मालिश करते समय, एस्ट्रिंजेंट क्रिया रोमछिद्रों को बंद कर देती है लेकिन एलो वेरा की प्रवेश करने की क्षमता जड़ों को मज़बूत करती है. एलो आधारित शैम्पू के साथ बाल धोने से नीरस और सूखे बालों में नई जान आती है.

मुँह और दाँतों की देखभाल: मुँह एक ऐसा गड्ढा है जो मुलायम और नाज़ुक टिशूओं से भरा हुआ है. इन टिशूओं को खाने की सामग्री की नियमित खुराक मिलती रहती है, जिससे यह बैक्टीरिया के प्रजनन के लिए आदर्श जगह बन जाती है. मुँह में बैक्टीरिया के फलने फूलने से वे दाँतों पर भी हमला करते हैं और स्टोमाटाइटिस, साँस की बदबू, जिंजिवाइटिस और पेरियोडोंटायटिस जैसी दाँतों की तकलीफें होती हैं. एलो वेरा कुदरती एंटी–फंगल तत्व और एंटी–बैक्टीरियल पौधा है. यह दाँतों के स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी है और आंतरिक रूप से लिए जाने पर मुँह के अति संवेदनशील कमज़ोर टिशूओं की रक्षा करता है.

आंतरिक उपयोग

एलो वेरा को सिर्फ एलो वेरा स्किन केयर उत्पादों के रूप में उपयोग नहीं किया जाता. एलो वेरा को आंतरिक रूप में भी उपयोग किया जा सकता है. बहुत से लोग कई चीजों में मदद के लिए एलो वेरा जेल लेते हैं. एलो वेरा जेल कब्ज़ को दूर करने के लिए सबसे आम तौर पर उपयोग किया जाता है. कई लोग दर्द या अल्सर्स और आर्थराइटिस से आराम पाने के लिए भी एलो वेरा जेल उपयोग करते हैं. आंतरिक रूप से लेने पर एलो वेरा के सारे लाभ वैज्ञानिक रूप से साबित नहीं हुए हैं. लेकिन इनके लिए लोग गवाही देते हैं.

विषहरण : एलो वेरा जेल के आपके शरीर पर बहुत से सकारात्मक लाभ हैं. एलो वेरा पौधे के एक विश्लेषण ने निष्कर्ष निकाला है कि यह मनुष्य के शरीर में पाये जाने वाले तत्वों के अधिकांश प्रकारों विटामिन्स और मिनरल्स, एमिनो एसिड्स और एंज़ाइम्स से बना है. शायद कोई भी अन्य पौधा मनुष्य के शरीर के जैवरसायन से इतना मिलता जुलता नहीं है. एलो वेरा जेल आपके पाचन तंत्र के अंदर रोगहर तत्व और विषहर की तरह काम करता है और पाचन संबंधी समस्या वाले लगभग हर व्यक्ति को एलो वेरा जेल पीने से लाभ हो सकता है. कई लोगों को अल्सर्स के लिए भी एलो वेरा जेल लेने से आराम मिला है. एलो वेरा जेल सिर्फ पाचन संबंधी समस्याओं वाले लोगों के लिए नहीं है. एलो वेरा जेल का दैनिक नियमित उपयोग अक्सर व्यक्ति की ताकत के स्तर को काफी हद तक बढ़ाता है और उसे तंदरुस्ती का अहसास दिलाता है.

पाचन क्रिया : एलो वेरा एंटी–इनफ्लामेटरी, एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–वायरल है; इसमें अल्सर्स, कोलाइटिस और इरिटेबल बाउल सिंड्रोम जैसी पाचन तंत्र की तकलीफों को दूर करने की भी योग्यता है. जेल, पाचन प्रक्रिया के लिए आवश्यक गैस्ट्रिक एंज़ाइम, पेप्सिन को छोड़ने में सक्रियता से बढ़ावा देता है.

प्रतिरक्षक प्रणाली के कार्य : एलो वेरा ऐसे विटामिन्स, मिनरल्स और अन्य पोषकों से भरपूर है जो पेट और पाचन की गड़बड़ियों को ठीक करने में मदद कर सकते हैं. शोधों से पता चला है कि यह प्रतिरक्षक प्रणाली को संतुलित और ठीक करता है, इस तरह से भोजन की असहनशीलता और उनके प्रति शरीर की प्रतिक्रिया घटाता है.

यकृत (लिवर), पेट और आंत : एलो वेरा जेल में आवश्यक एंज़ाइम्स काफी ज़्यादा हैं, जो पाचन और यकृत (लिवर) की क्रियाओं को प्रोत्साहन देते हैं. अन्य कुछ जड़ी बूटियों के साथ उपयोग करने से एलो वेरा जेल के मिश्रित प्रभाव यकृत साफ करने वाले तत्व के रूप में बहुत लाभकारी है. एलो वेरा में सैपोनिन्स नामक अति दुर्लभ कुदरती सामग्री भी है, जो सफाई करने और बेकार एवं विषैली चीजों को शरीर से निकालने के लिए कुदरत द्वारा दी गई है.

कोशिका कार्य : एलो वेरा जेल के सबसे खास गुणों में से एक है कोशिका के नवीनीकरण की प्रक्रिया को तेज़ करने की क्षमता. इससे अनेक कोशिकीय कार्यों को सुधारने और त्वचा को खराब होने से बचाने में मदद मिलती है. एलो वेरा में एस्ट्रिंजेंट क्रिया है और वह त्वचा को कसता है, इस तरह से जल्दी बूढ़ा होने से बचाता है.

एंटीसेप्टिक : एलो वेरा पौधा कम से कम 6 एंटीसेप्टिक तत्व उत्पन्न करता है: ल्युपोल, सैलिसायलिक एसिड, यूरिया, नाइट्रोजन, सिनेमोनिक एसिड और सल्फर. इन सभी तत्वों को एंटीसेप्टिक्स के रूप में पहचाना जाता है क्योंकि वे एंटीमाइक्रोबियल क्रिया प्रदर्शित करते हैं. एलो को अनेक आंतरिक और बाहरी संक्रमणों, ज़ख्मों और अल्सर्स को दूर करने के लिए उपयोग किया जाता है. ल्युपोल, सैलिसायलिक एसिड और मैग्नीशियम बहुत प्रभावशाली पीड़ाहारी हैं. इसीसे पता चलता है कि दर्द को दूर करने में एलो कितना असरकारक है.

एलो वेरा के इतने सारे गुणों को जानने के बाद, लोगों द्वारा एलो वेरा को इतना ज़्यादा उपयोग करते देखना कोई आश्चर्य की बात नहीं है. हर तरह के एलो वेरा उत्पाद उप–लब्ध हैं. लेकिन, एलो उपयोग करने वालों को प्राचीन ग्रीक भौतिकशास्त्री डियोस्कोराइडस के शब्दों पर ध्यान देना चाहिए, उन्होंने कहा था कि एलो वेरा के रोगहर गुण पीलेपन से लेकर यकृत (लिवर) जैसे रंग वाले, बदबूदार, कड़वे स्वाद वाले जेल में पाए जाते हैं. लेकिन बाज़ार में उपलब्ध 100% शुद्ध कहे जाने वाले उत्पादों की जाँच की जानी चाहिए, जिनमें से अधिकतर डियोस्कोराइडस के विवरणों से मेल नहीं खाते, क्योंकि आप जिस उत्पाद को खरीदने की सोच रहे हैं वह पानी जैसा है, उसका गंध पानी जैसा है और स्वाद भी पानी जैसा है, तो इस बात की बेहद संभावना है कि आप पानी ही खरीद रहे हैं.

सुनिश्चित करें कि आप असली ऐलो वेरा पिएँ

एलो वेरा का स्वाद हल्का सा कड़वा है जो अपने वास्तविक रूप में पीना शायद पसंद न आए. सादे एलो वेरा जेल के स्वाद की आदत पड़ना संभव है, लेकिन यदि आप नहीं पी सकते, तो उसमें किसी फल का रस मिलाकर उसे ज़्यादा स्वादिष्ट बनाया जा सकता है.

बहुत से उत्पाद एलो वेरा को गोली या कैप्सूल के रूप में प्रदान करने का दावा करते हैं. इसकी बहुत कम संभावना है कि लाभदायक नाज़ुक सामग्रियाँ उत्पादन की प्रक्रिया में बची रह सकें और इन उत्पादों में बहुत कम एलो वेरा होता है. जल्दी पैसा कमाने के चक्कर में और बेईमान निर्माताओं के मतभेद भरे दावों के साथ ऐलो वेरा उत्पादों से मार्केट इतनी ज़्यादा भरी हुई है कि, अनेक हेल्थ प्रोफेशनल्स एलो वेरा के फायदों के बारे में शंकित रहते हैं.

स्थिरिकरण की महत्ता

एलो वेरा का पौधा गर्म और सूखी स्थितियों में रहता है–एक ऐसा मौसम जो दुनिया के हर भाग में नहीं पाया जाता. जिन क्षेत्रों में एलो वेरा नहीं उगता, वहाँ पर भी उसकी लोकप्रियता और प्रभावशीलता सिर्फ ***स्थिरिकरण*** नामक प्रक्रिया के कारण ही संभव हुई है.

एलो वेरा पौधे की पत्ती के अंदरूनी जेल में पौधे के अधिकांश रोगहर और औषधीय गुण पाए जाते हैं. जंगल में, इस जेल की सुरक्षा गूदेदार बाहरी छाल से होती है, जो नमी के नुकसान को रोकता है और उसे पर्यावरण से बचाता है. लेकिन, एक बार पत्ती काटने के बाद और जेल के हवा के संपर्क में आने के बाद, यह ऑक्सीडाइज़ होने लगता है और जैसे–जैसे ऑक्सीडाइज़ेशन प्रक्रिया जारी रहती है, जेल के बहुत से लाभदायक गुण उड़ जाते हैं. **इसीलिए, जीवित रहने के लिए, पौधा अपने ही पोषक तत्व खाने लगता है और इस तरह से, खुद को पोषण देने के लिए उसके सभी लाभदायक गुण पौधे द्वारा खुद ही दोबारा सोख लिए जाते हैं.** इसीलिए, कटाई के समय होने वाले इस ऑक्सीडेशन से बचने के लिए कोई तरीका ढूँढने की आवश्यकता थी.

स्थिरिकरण ताज़ा पत्ती की असली क्षमता और प्रभावशीलता गँवाए बिना जेल को जहाँ तक संभव हो सके इसके असली रूप में बचाने का एक तरीका है. स्थिरिकरण के बिना, रेफ्रिजरेशन के बावजूद भी जेल की बरबादी होगी. न्यु यॉर्क में फूड एंड ड्रग रिसर्च लेबोरेट्रीज़ द्वारा किए गए शोध में पाया गया कि स्टैबेलाइज़्ड ऐलो वेरा पौधे से पाए गए ताज़े एलो वेरा "के समान गुणों" वाला था.

पूरी पत्ती बनाम स्थिर किया हुआ भीतरी जेल :

पूरी पत्ती वाले एलो वेरा पूरक कई सालों से मार्केट में उप–लब्ध हैं, लेकिन आम एलो वेरा पूरक थोड़े से भ्रामक हैं. "पूरी पत्ती" का मतलब है कि वे पूरे एलो वेरा पौधे को लेते हैं, सारी चीजों (गूदा, रस और पत्ते की त्वचा) को पीसते हैं और वे नुकसानदायक चीजों को छानते हैं जिसके साथ ही बहुत सी गुणकारी चीजें भी निकल जाती हैं. पहले पहल, तब तक बहुत अच्छा लगता है जब तक आपको यह पता नहीं चलता कि एलो वेरा के रस और बाहरी त्वचा से दस्त होते हैं.

एलो वेरा का प्रमुख रोगहर हिस्सा जेल और "सिर्फ जेल" है. एक अच्छी क्वालिटी वाले उत्पाद के जेल को पत्ती के बाकी हिस्से से अलग करके जेल को एक पूरक या तरल में तैयार करना पड़ता है. इस प्रक्रिया में काफी ज़्यादा मेहनत चाहिए.

जेल की तरह, एलो वेरा की त्वचा और पत्ती का रस खाद्य सामग्री नहीं है. बल्कि, वह बहुत ज़्यादा कड़वा है ताकि रेगिस्तान के जानवर उन पौधों को न खाएँ. यदि आप ऐलो वेरा की पत्ती का टुकड़ा काटते हैं, और उसे ज़मीन पर रखते हैं तो रेगिस्तान के जानवर सिर्फ जेल खाएँगे !

इस संबंध में ऑरेंज जूस बनाने वाली कंपनी के बारे में सोचिए कि वह जूस में संतरे के छिलके भी डाल देती है क्योंकि उसमें भी थोड़े बहुत पोषक तत्व तो होते ही हैं. संतरे के छिलके में भले थोड़े से पोषक होते हैं लेकिन भीतरी रस और गूदा बेहतर है. आप संतरे का कौन सा जूस पसंद करेंगे जिसे आप जानते हैं या वह जिसमें छिलकों को भी पीसा गया है ?

घर में उगाए गए बनाम ऑर्गेनिक (जैविक) रूप से उगाए गए ऐलो

घर की खिड़कियों पर गमले में लगा या घर के पिछवाड़े में एलो वेरा उगा दिखना बहुत ही आम बात है. घर में एलो वेरा का पौधा होना बहुत अच्छा है क्योंकि यह अंधेरे में कार्बन डाय ऑक्साइड सोखने और ऑक्सीजन छोड़ने वाले गिने चुने पौधों में से एक है, जिससे इसे बेडरूम में लगाना एकदम उचित है (आम तौर पर पौधे रात को कार्बन डाय ऑक्साइड छोड़ते हैं), एलो वेरा के पौधे में पर्यावरण से विषैले तत्वों को सोखने, आपके घर में आने वाली हवा में से कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रस गैसेस जैसे विषैले तत्वों और वातावरण के प्रदूषकों को हटाकर साफ करने का बेहतरीन गुण भी है. **जब वह ऐसा करता है, तो आप क्या सोचते हैं कि पर्यावरण के जिन विषैले तत्वों को इसने सोखा उन्हें कहाँ संग्रहित किया जाता है ?**

बहुत से लोग बड़ी शान से कहते हैं कि वे अपने एलो पौधों को जानते हैं और रोज़ सुबह पीने के लिए इसे ताज़ा–ताज़ा काटते हैं. यह बहुत ही आम धारणा है कि आपके घर के पिछवाड़े या खिड़की पर उगाए गए पौधे खाने लायक होते हैं. लेकिन ऐसा करके ये लोग शायद पर्यावरण के ज़हरीले तत्त्वों को सीधे ग्रहण कर रहे हैं.

यदि आप एलो वेरा इस्तेमाल करना शुरू करने वाले हैं, तो सुनिश्चित करें कि उत्पादों के लिए उपयोग किए गए पौधे लेड मुक्त, प्रदूषण मुक्त पर्यावरण में उगाए गए हों और उन्हें उगाते समय नुकसानदायक रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग न किया गया हो. साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि आप जो एलो इस्तेमाल करते हैं वह एलो के तीन मुख्य औषधीय प्रकारों में से एक है और उपयोग के लिए उसकी पत्तियाँ कटने से कम से कम 3 साल पहले उगाया गया हो.

एलो वेरा के वे तथ्य जिनके बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है

एलो वेरा के अन्य घटक लिगनिन में सैल्यूलोज़ सामग्री के संरचनात्मक पदार्थ लिगनिन्स हैं जिनमें वेधनीय गुण होते हैं. एलो वेरा त्वचा की सभी परतों में समा सकते हैं. लिगनिन्स त्वचा के सबसे मुश्किल हिस्सों में भी घुस जाते हैं जिससे ये त्वचा की एग्ज़िमा और सोरायसिस जैसी तकलीफों के लिए लाभदायक बनता है.

सैपोनिन्स

ये जेल के साबुन जैसे पदार्थ हैं जो साफ करने की क्षमता रखते हैं और जिनमें एंटीसेप्टिक गुण हैं. सैपोनिन्स जीवाणु, वायरसेस, फंगाय और यीस्ट्स के खिलाफ बहुत मज़बूती से एंटी–माइक्रोबियल की तरह काम करता है.

एंथ्राक्विनॉन्स

1. एलोइन: कैथार्टिक और एमेटिक
2. बार्बालॉइन : एंटीबायोटिक और कैथार्टिक
3. आइसोबार्बालॉइन : एनाल्जेसिक और एंटीबायोटिक
4. एंथ्रानोल
5. एंथ्रासीन
6. ऐलोटिक एसिड : एंटीबायोटिक
7. ऐलो एमोडाइन : बैक्टीरिसाइड और लैक्सेटिव
8. सिनामिक एसिड : डिटर्जेंट, जर्मीसाइड और फंगीसाइडल
9. एस्टर ऑफ सिनामिक एसिड : एनाल्जेसिक और एनेस्थेटिक
10. एस्टीरिओल ऑइल : ट्रेंक्विलाइज़िंग
11. क्रिसोफैनिक एसिड : त्वचा फंगस
12. ऐलो अल्साइन : गैस्ट्रिक स्त्रावों को रोकता है
13. रेसिस्टनोल

अजैविक सामग्री/मिनरल्स

1. कैल्शियम
2. फॉस्फोरस
3. पोटैशियम
4. आयर्न
5. सोडियम
6. क्लोरीन
7. मैंगनीज़
8. मैग्नीशियम
9. कॉपर
10. क्रोमियम
11. ज़िंक

विटामिन्स

1. विटामिन ए : कैरोटीन
2. विटामिन बी : टिशू की वृद्धि, शक्ति और खून बनाना
3. विटामिन सी और ई : इंफेक्शन का सामना करता है, रोग ठीक करने में मदद करता है और स्वस्थ त्वचा बनाए रखने में मदद करता है
4. विटामिन एम : खून बनने में मदद करता है
5. नियान्सिमैनाइड : चयापचय नियामक
6. कोलाइन : चयापचय में मदद करता है

मोनो और पॉलीसैक्राइड्स

एल्डोनेन्टोज़
सैल्यूलोज़
ग्लूकोज़
एल–राम्नोज़
मैन्नोज़

अमाइनो एसिड्स

आवश्यक

1. आइसोल्युसाइन
2. ल्युसाइन
3. लायसाइन
4. मेथियोनाइन
5. फेनिलालानाइन
6. थेरोनाइन
7. वैलाइन

सहायक

1. एलानाइन
2. एर्गिनाइन
3. एस्पैरिटिक एसिड
4. ग्लुटैमिक एसिड
5. ग्लिसरीन
6. हिस्टीडाइन
7. हाइड्रोक्सिप्रोलाइन
8. प्रोलाइन
9. सेराइन
10. टायरोसाइन
11. 1/2सिस्टाइन

एंज़ाइम्स

1. फॉस्फोटेज़ : एमिलेज़
2. ब्रैडीकिनेज़ : इम्युन बिल्डिंग
3. कैटालेस–शरीर में पानी का जमा होना रोके
4. सैल्यूलेस–सैल्यूलोज़ डायजेशन
5. क्रिएटाइन फॉस्फोकिनेस : मसक्युलर एंज़ाइम
6. लिपेस : डाइजेशन
7. न्युक्लोटिडेस
8. एल्कालाइन फॉस्फेट
9. प्रोटीज़ : प्रोटीन्स को हाइड्रोलाइज़ करे

अमाइनो एसिड्स : एलो वेरा में पाए जाने वाले अमाइनो एसिड्स प्रोटीन के ब्लॉक्स बनाते हैं जो हमारे मस्तिष्क के कार्यों को प्रभावित करता है. इंसानों को 22 अमाइनो एसिड्स की ज़रूरत होती है और शरीर आठ आवश्यक अमाइनो एसिड्स के अलावा बाकी सभी को बना लेता है, हमारा शरीर उन आठ आवश्यक अमाइनो एसिड्स को खाने पीने वाले चीजों से पाता है. एलो वेरा में हर एक आवश्यक अमाइनो एसिड उपलब्ध है.

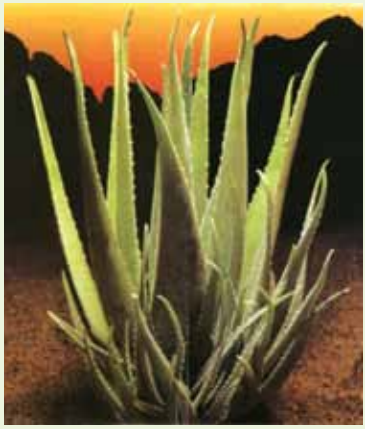

एंथ्राक्विनॉन्स : पत्तियों के रस में आप 12 एंथ्राक्विनॉन्स पाएँगे, एक ऐसा यौगिक जो पाचन क्रिया को सक्रिय करता है और जिसमें एंटीबायोटिक तत्व है. छोटी मात्रा में एंथ्राक्विनॉन्स में रेचकता का असर नहीं है. ये जठरांत्र पथ (गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल ट्रैक्ट) से अवचूषण में सहायता करते हैं और उनमें एंटी–माइक्रोबियल एवं दर्दनाशक गुण हैं. सबसे महत्वपूर्ण एंथ्राक्विनॉन्स एलोइन और एमोडिन हैं. वे एंटी–बैक्टीरियल, एंटी–वायरल और एनेल्जेसिक हैं. एलो वेरा के एंथ्राक्विनॉन्स अवशेषों, मवाद और मृत कोशिकाओं को तोड़ते हैं, खून का स्राव बढ़ाते और ज़ख्मों एवं अल्सरों की सामग्री को निकाल फेंकते हैं.

एंज़ाइम्स : एंज़ाइम्स हमारे द्वारा खाए जाने वाले प्रोटीन्स को तोड़कर अमाइनो एसिड बनाने वाले जैवरसायन उत्प्रेरक की तरह काम करते हैं. एंज़ाइम्स हमारे द्वारा खाई जाने वाली भोजन सामग्री को हमारे शरीर की हर कोशिका के लिए ऊर्जा में बदल देते हैं, जिससे कोशिकाएँ कुशलता से कार्य करने के योग्य बनती हैं. एलो वेरा में पाए जाने वाले मुख्य एंज़ाइम्स में एमिलेस (शर्करा और स्टार्च को तोड़ता है), ब्रैडिकिनेस (प्रतिरक्षक प्रणाली को प्रोत्साहित करते हैं, एनेल्जेसिक और एंटी–इनफ्लामेटरी हैं), कैटालेस (शरीर में पानी का संचयन रोकता है), सैल्यूलेस (पाचन–सैल्यूलोज़ में सहायक), लाइपेज़ (पाचन–वसा में सहायक), एल्कालाइन फॉस्फेटेस, प्रोटोलिटायस (प्रोटीनों को उनके घटक तत्वों में हाइड्रोलाइज़ करे) और क्रिएटीन फॉस्फोकिनेस (चयापचय में सहायक).

विटामिन्स और मिनरल्स : हमें खुद से पूछने लायक अगली बात यह है कि एंज़ाइम्स को ताकत कहाँ से मिलती है? इसका मुख्य स्रोत हैं हमारे द्वारा खाए जाने वाली विटामिन्स और मिनरल्स. उदाहरण के लिए, अगर हम ज़िंक या विटामिन बी6 कम लेते हैं, तो हमारा शरीर प्रोटीन को तोड़ पाने या उपयोग कर पाने के लायक नहीं होगा. एलो वेरा के रोगहर गुणों और उसकी मिश्रित क्रिया के कारण, हमारे शरीर को वह मिलता है जो इसके सुचारु रूप से काम करने के लिए ज़रूरी है. एंटी–ऑक्सीडेंट से भरपूर पौधे, एलो वेरा में ए, बी और सी जैसे विटामिनों के साथ–साथ मिनरल्स, ज़िंक और सेलेनियम भी है. एंटी–ऑक्सीडेंट प्रतिरक्षक प्रणाली को मज़बूत बनाने और शरीर में फ़्री रेडिकल्स का सामना करने में मदद करते हैं.

इसमें विटामिन बी1,बी2, बी3, बी5, बी6 और बी12 के अलावा है कोलाइन, कैल्शियम (दाँतों और हड्डियाँ बनना, पेशियों में संकुचन और हृदय का स्वास्थ्य), मैग्नीशियम (दाँतों को मज़बूत बनाता है, स्वस्थ पेशियों और तंत्रिका तंत्र को बरकरार रखता है, एंज़ाइम्स को सक्रिय करता है), ज़िंक (ज़ख्म भरना तेज करता है, मानसिक तेजी, स्वस्थ दाँतों, हड्डियों, त्वचा, प्रतिरक्षक प्रणाली और पाचन में सहायक है), मैंगनीज़ (एंज़ाइम्स को सक्रिय करता है, स्वस्थ हड्डियाँ, तंत्रिका और ऊतक बनाता है), क्रोमियम (प्रोटीन के चयापचय और रक्त शर्करा को संतुलित करने में सहायक है).

एलो वेरा में पाए जाने वाले अतिरिक्त मिनरलों में कॉपर (लाल रक्त कोशिकाओं, त्वचा और बालों की रंगत के लिए महत्वपूर्ण), आयरन (ऑक्सीजन के आवागमन और लाल रक्त कोशिकाओं में हीमोग्लोबिन बनने में शामिल), पोटैशियम (तरल संतुलन में मदद करता है), फॉस्फोरस (हड्डियाँ और दाँत बनने में मददगार और शरीर के पी एच (pH) संतुलन में सहायक) और सोडियम (शरीर के तरलों को नियंत्रित करता है, तंत्रिका और पेशियों के कार्यों में मदद करता है और पोषकों को शरीर की कोशिकाओं में पहुँचाने में मदद करता है) का समावेश है. एलो वेरा में कैंसर एवं ट्यूमर के शोध प्रयोगों में उपयोग होने वाले रोडियम एवं इरिडियम के ट्रेस मिनरल भी हैं.

सैलिसायलिक एसिड : एलो वेरा में सैलिसायलिक एसिड है जो एंटी–इनफ्लामेटरी, एनॉलजेसिक और एंटी–बैक्टीरियल गुणों के साथ एस्पिरिन जैसा यौगिक है. इसमें बुखार कम करने के लिए एंटी–पायरेटिक गुण भी हैं.

एलो वेरा संक्षेप में

- एलो वेरा त्वचा के ज़ख्मों में मदद करता है.
- एलो वेरा को जली हुई त्वचा ठीक करने में उपयोग किया जाता है.
- सर्जरी के बाद शरीर को जल्दी से तंदरुस्त करता है.
- एलो वेरा जेल को छालों और फुंसियों पर लगाया जाता है.
- एलो वेरा कीड़े के डंक और चकत्तों को ठीक करने में मददगार है.
- एलो वेरा फंगस और संक्रमणों को ठीक करने में मददगार है.
- एलो वेरा कंजेक्टिवायटिस को ठीक करने में मददगार है.
- एलो वेरा एलर्जिक प्रतिक्रियाओं को ठीक करने में मददगार है.
- एलो जेल को सूखी त्वचा पर निखार लाने के लिए लगाया जाता है.
- मुंहासों को घटाने में मदद करता है.
- धूप ताम्रता घटाने में मदद करता है.
- एलो वेरा हीमदाह से लड़ने में मदद करता है.
- एलो वेरा सोरायसिस घटाने में उपयोग किया जाता है.
- एलो वेरा रोज़ेशिया घटाने में उपयोग किया जाता है.
- एलो वेरा मस्से घटाने में उपयोग किया जाता है.
- बुढ़ापे के कारण होने वाली झुर्रियाँ ऐलो वेरा लगाने से कम होती हैं.
- एलो वेरा एक्ज़िमा घटाने में उपयोग किया जाता है.
- यह आंत की दीवार का रक्तस्त्राव, खराबी और रिसाव बंद करता है, इस तरह से प्रतिरक्षा प्रणाली का तनाव दूर हटाता है.
- प्रतिरक्षा प्रणाली के कार्यों को प्रभावशाली ढंग से संतुलित करता है और उचित रूप से बढ़ाता है.
- प्रज्जवलन घटाने के लिए सक्षम एंटी–इनफ्लामेटरी की तरह काम करता है.
- आंत्रीय रक्षात्मक म्युकोसा लाइनिंग का पुनःनिर्माण करता है.
- टिशू के ठीक होने की प्रक्रिया को बढ़ाता और गति तेज़ करता है.
- आहारों और पोषकों के उचित पाचन, अवशोषण और समत्व को बढ़ाने के माध्यम से पूरी शारीरिक प्रणाली को तेज़ करता है.
- पाचन तंत्र में खराब करने वाली अनेक प्रक्रियाओं को तटस्थ करता है.
- कुपाचन को दूर करता है.
- प्रत्यक्ष एंटी–बैक्टीरियल, एंटी–वायरल, एंटी–फंगल, एंटी–यीस्ट और एंटी–पैरासाइटिक प्रभावों वाला है.
- पाचन तंत्र में स्वस्थ फ्लोरा का उत्पादन बढ़ाता है.
- यीस्ट की गंभीर वृद्धि रोकता है ताकि सामान्य स्वस्थ फ्लोरा बना रह सके, इस तरह से प्रीबायोटिक की तरह काम करता है.
- अहितकर कोशिकाओं के बचाव और ठीक करने में बहुत ज़्यादा योगदान देता है.
- "ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर" की रचना करता है जो गाँठों को रक्त की आपूर्ति बंद करता है.
- पूरे शरीर में संचार बढ़ाता है और रक्त शर्करा संतुलित करने में सहायता करता है.
- अत्यधिक प्रभावशाली इंट्रासेल्युलर एंटीऑक्सीडेंट और फ्री रेडिकल साफ करने वाला है.
- यह एंज़ाइम प्रणाली द्वारा पचाया नहीं जाता–इसे कोशिका में पूरा का पूरा पहुँचाया जाता है.
- मानवीय पाचन तंत्र में मौजूद विशेष रिसप्ट्र साइट्स के माध्यम से शोषित किया जाता है.
- किसी नकारात्मक दुष्परिणाम के बिना 100% अविषैला है.
- किसी उल्टे संकेत के बिना किसी भी दवा के साथ–साथ उपयोग किया जा सकता है.

सर्टिफाइड ऐलो वेरा उत्पाद

आज मार्केट में अनेक एलो वेरा उत्पाद उपलब्ध हैं. लेकिन क्या आप जानते थे कि आप जो एलो वेरा वाले उत्पाद खरीदते हैं उनमें से कुछ उत्पाद में एलो वेरा की गलत मात्रा बता रहे हो सकते हैं ? आपको शायद यह जानकर हैरानी होगी कि एफ डी ए (युनाइटेड स्टेट्स फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) के अनुसार, कानूनी तौर पर एक निर्माता एक लीटर पानी में सिर्फ दो बड़े चम्मच ऐलो वेरा उपयोग कर सकता है और फिर भी वे उसे 100% एलो वेरा जूस कहते हैं !

अगली बार जब भी "100% एलो वेरा" का दावा करने वाला जूस देखें, तो उसके लेबल की सावधानीपूर्वक जाँच करें.

इसी वजह से, एलो वेरा उत्पादों को सर्टिफाय करने के लिए एक संगठन बनाया गया, जो एलो वेरा की असली मात्रा और सामग्री प्रकाशित करते हैं. इस संगठन को द इंटरनैशनल ऐलो साइंस काउंसिल या आई ए एस सी कहा जाता है.

आइ ए एस सी की स्थापना 1980 की शुरूआत में हुई. उन्होंने उच्च मानकों को पूरा करने वाले सभी एलो वेरा उत्पादों को सर्टिफाय करने के लिए एक प्रक्रिया विकसित की. सबसे पहले, एलो वेरा उत्पाद बनाने वाली कंपनियों या एलो वेरा उगाने वाले किसानों को आई ए एस सी से सर्टिफाइड होने के लिए आवेदन देना पड़ता है. उसके बाद, आई ए एस सी परीक्षण करता है और एलो वेरा उत्पादों, ऐलो वेरा फॉर्मूलों और उपयोग किए गए असली एलो वेरा पौधे को ऑडिट करता है. अगर सब कुछ सही और अचूक है, तो उन्हें सर्टिफिकेशन की आई ए एस सी सील मिल जाती है.

आई ए एस सी सील ऑफ सर्टिफिकेशन पाने वाला हर उत्पाद यह पुष्टि और वादा करता है कि एलो वेरा उत्पाद के लेबल पर लिखे तथ्य सही हैं और एलो वेरा की बताई गई मात्रा सही है. इसका यह भी मतलब है कि एलो वेरा उत्पाद में आई ए एस सी के मानकों पर खरी उतरने वाली क्वालिटी का एलो है. अंत में, इसका मतलब है कि एलो वेरा उत्पाद में उपयोग किया गया एलो वेरा प्रमाणित स्रोत से लिया गया है.

आप आई ए एस सी की वेबसाइट : www.iasc.org पर आई ए एस सी सील ऑफ सर्टिफिकेशन प्राप्त एलो वेरा उत्पादों की सूची देख सकते हैं. इस वेबसाइट में उन एलो वेरा उत्पादों की सूची भी दी गई है जिनके पास अब आई ए एस सी सील ऑफ सर्टिफिकेशन नहीं है.

आई ए एस सी सुझाव देता है कि आपको सिर्फ आई ए एस सी सील ऑफ सर्टिफिकेशन वाले एलो वेरा उत्पाद ही खरीदने चाहिए. आप चाहे एलो वेरा लोशन, एलो वेरा जेल या एलो वेरा स्किन केयर उत्पाद खरीद रहे हों, आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके पास आई ए एस सी सील ऑफ सर्टिफिकेशन है. इससे पुष्टि होगी कि आप जो उत्पाद उपयोग कर रहे हैं वह शुद्ध है और एलो वेरा की बेहतरीन क्वालिटी वाला उत्पाद है. यह आपके स्वास्थ्य और संतुष्टि दोनों के लिए ज़रूरी है.

क्वालिटी बनाए रखना

मार्केट में इतने बदलाव आने से, उपभोक्ता का आत्मविश्वास हासिल करने के लिए एलो वेरा की क्वालिटी बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है. क्वालिटी जाँचने के तीन तरीके हैं :

1. पैकेज या उत्पाद के कंटेनर पर अधिकारिक आई ए एस सी (इंटरनैशनल ऐलो साइंस काउंसिल) सील.
2. सामग्री सूची पर पहली सामग्री के तौर पर स्टेबिलाइज़्ड ऐलो वेरा जेल लिखा होता है और पहली सामग्री के तौर पर "एक्वा" (पानी) लिखे उत्पादों से सावधान रहें क्योंकि इसका लगभग निश्चित रूप से यही मतलब होता है कि सामग्रियाँ पुनः संगठित पाउडर हैं.
3. कि जेल सील किए हुए डिब्बे में बेचा जाए जो सामग्रियों की शुद्धता बरकरार रख सके.

विषहरण और एलो वेरा जेल

इंसानी शरीर हर रोज़ लाखों विषों के संपर्क में आता है. ये विष कीटाणुनाशकों, आहारीय योजकों, पानी की भारी धातुओं, औद्योगिक रसायनों, औषधीय दवा के अवशेषों और अन्य कई पदार्थों से मिलते हैं. विष शरीर द्वारा कुदरती रूप से भी उत्पन्न किए जाते हैं और इसीलिए उन्हें पूरी तरह से टाल पाना नामुमकिन है. विषाक्तता वाले कई रोगों की घटनाएँ भी काफी बढ़ गई हैं. शोधों से यह भी पता चलता है विषाक्तता तेजी से बुढ़ापा आने, विकार वाले रोगों को बढ़ावा देने और प्रतिरक्षक प्रणाली को तोड़ने के लिए भी ज़िम्मेदार है.

विषहरण शब्द का इस्तेमाल उस प्रक्रिया के बारे में बताने के लिए किया जाता है जिसमें से आपका शरीर इन रोगों से छुटकारा पाते समय गुज़रता है. हमारे शरीर में विषाक्तता तब होती है जब हम उपयोगिता और उत्सर्जन से ज़्यादा खाते हैं. तंदरुस्ती को बढ़ाने और बुढ़ापे को रोकने के लिए यह आवश्यक कदम है. बुनियादी रूप से विष कोई भी ऐसा पदार्थ है जो शरीर में उत्तेजना और/या नुकसानदायक प्रभाव डालता है, जिससे हमारी सेहत गिरती है या हमारे बायोकेमिकल या अंगों की कार्यप्रणाली पर दबाव पड़ता है. हमारे उत्सर्जन को मदद करने वाली हर चीज़ को विषहरण में सहायक चीज़ कहा जाता है. इसमें आहारीय और जीवनशैली के बदलाव शामिल हैं जो विषों को अंदर लेना घटाते हैं और उत्सर्जन सुधारते हैं.

एलो वेरा में ऐसी बहुत सी सामग्रियाँ हैं जो विषों को तटस्थ बनाती हैं, कोलोन साफ करती हैं, कोशिका पुनरुत्पादन प्रोत्साहित करती हैं, आपकी प्रतिरक्षक प्रणाली को सहयोग देती हैं और ताकत के स्तरों को बढ़ाती हैं. इसमें कुदरती रोगहरता और विषहरता वाली ताकतें हैं और आहार के प्रभावित अवशेषों को तोड़ने और आंतों को पूरी तरह से साफ करने में मदद के लिए आंत्रीय तंत्र में बड़ी कोमलता से काम करता है. यह कब्ज़ से छुटकारा दिलाने और लगातार जारी दस्त से बचाव करने, आंत में नियमितता स्थापित करने में मदद कर सकता है. इन सबसे बेचैनी और अफारा भी घटता है. स्वाभाविक है, इन सब लक्षणों में आराम आ जाने के कारण, इस बेआरामी से जुड़े तनाव भी कम हो जाते है.

"कुदरती औषधिय तथ्यों का यह मानना है कि शरीर अपनी पूरी ताकत खुद की आंतरिक सफ़ाई, खुद की मरम्मत और सकारात्मक सेहत की दिशा में लगाता रहता है. इस तथ्य से पता चलता है कि गंभीर रोग भी शरीर के खुद को ठीक करने की दिशा में ही कदम है. रोग या गिरी हुई सेहत को असली कारण दूर हटाकर और शरीर की सामान्य जीवनशीलता को बढ़ाकर ही सुधारा जा सकता है ताकि सेहत बनाए रखने की उसकी कुदरती और अनुवांशिक क्षमता हावी हो सके. कुदरती औषधीय फिलॉसफी यह भी बताती है कि बार-बार होने वाले दीर्घ स्थायी रोग ठीक करने के गलत प्रयासों या शरीर द्वारा खुद को साफ करने की शारीरिक कोशिशों को दबाने की कोशिश के परिणामस्वरूप होते हैं." **-हेनरी लिंडाल्हर, नैचुरल थेराप्टिक्स की फिलॉसफी**

शरीर बहुत अच्छी तरह संरक्षित है. सिर्फ जब बचाव दल कमज़ोर होता है तभी नुकसानदायक बैक्टीरिया फायदा उठा सकते हैं.

बुखार से शरीर की चयापचय दर बढ़ती है और रक्त एवं लसिका का प्रवाह बढ़ता है, इस तरह से शरीर के विषों को निकालने और रोगग्रस्त क्षेत्र को पोषण पहुँचाने की क्रिया तेज़ होती है. बुखार बैक्टीरिया और वायरस, दोनों के लिए कम अनुकूल माहौल भी बनाता है जिन्हें उचित विकास के लिए आम तौर पर काफी कम तापमान की ज़रूरत होती है. जैसे-जैसे बुखार बढ़ता है, ये जीवाणु प्रजनन की बजाय तेजी से मरने लगते हैं, हिप्पोक्रेट्स ने कहा, "मुझे बुखार दे दो और मैं किसी भी रोग का इलाज करूँगा."

पसीना अपने साथ प्रणाली के विष को त्वचा के माध्यम से बाहर ले जाता है. यह तापमान को एक वर्ग के अंदर ही बढ़ाने में मदद करता है जिससे शरीर पर दीर्घ अवधि स्वास्थ्य का खतरा नहीं रहेगा.

इनफ्लेमेशन, सूजन और एडीमा शरीर द्वारा समस्या को एक जगह पर एकत्रित करने की क्रियाएँ हैं. इनफ्लेमेशन चयापचय गतिविधि में स्थानीय वृद्धि दर्शाती है. एडीमा या तरल संचयन से अवांछनीय, विषैले या उत्तेजक पदार्थ को पतला करने में मदद मिलती है.

फुंसियों, मुंहासों जैसे स्थानीय संक्रमण महत्वपूर्ण ऊत्तकों के बेकार पदार्थों में बदलने के परिणामस्वरूप होते हैं, जो बैक्टीरिया के फैलाव के लिए तब तक अनुकूल माहौल बनाते हैं जब तक शरीर की ताकतें उन बेकार पदार्थों को निकाल न सकें.

दस्त और उल्टियाँ शरीर द्वारा विषैले पदार्थों से छुटकारा पाने की स्वाभविक कोशिशें हैं. दर्द समस्या वाले क्षेत्र की ओर ध्यान आकर्षित करने का कुदरती तरीका है. दर्द दर्शाती है कि अपक्रिया लंबे समय तक सहनी पड़ सकती है या उसका हर्जाना चुकाना पड़ सकता है और ज़्यादा समय तक अनदेखा करना हानिकारक हो सकता है.

छींकें और खाँसी आना, शरीर द्वारा श्वसन तंत्र की तकलीफों और विषों से छुटकारा पाने की जबरदस्त कोशिशें हैं.

"रोग" के ये सभी गंभीर लक्षण दर असल शरीर द्वारा संतुलन और सकारात्मक स्वास्थ्य पुनः स्थापित करने की समझदारी पूर्ण क्रिया है. वे शोधक और विलोपक हैं और उन्हें दबाना नहीं चाहिए. आम तौर पर गंभीर रोग कहे जाने वाली चीजें असल में शरीर से बेकार पदार्थों या विषों को निकालने और घायल टिशूस की मरम्मत करने का कुदरती प्रयास है. यदि इस गंभीर अवस्था को अपने कुदरती रूप से चलने नहीं दिया जाएगा, या दमनात्मक तरीकों से उपचार किया जाए और इस तरह से विलोपन की इच्छित क्रिया को पूरा न करने दिया जाए, तो अंततः दीर्घ स्थायी रोग होंगे.

हीलिंग क्राइसिस और एलो वेरा जेल

हीलिंग क्राइसिस तब होता है जब आप अपनी विषहरण प्रक्रिया के दौरान निकलने वाले विषों या रोगों के लक्षणों का अनुभव करते हैं. शायद इस तथ्य को समझने में एक आसान उदाहरण फायदेमंद होगा.

अगर आप हर साल अपने घर की दीवारों को अलग-अलग रंग लगाएँगे तो क्या होगा? जैसे-जैसे समय बीतता जाएगा और आप परत के उपर परत लगाते जाएँगे तो अंततः 30 सालों में आप पाएँगे कि परतें ठीक से चिपक नहीं रही हैं- क्योंकि शायद अंदर की परतों में दरारें पड़ गई हैं और वो उखड़ रही है. इसलिए आपने सारा पेंट निकाल देने और पेंट की ताज़ा परत लगाने का फैसला किया.

तो, आप मानें या न मानें, आपका शरीर भी इसी तरह से काम करता है. चूँकि हमारा शरीर वसा संग्रहित करता है, वसा का रसायनशास्त्र वसा संग्रहित करते समय आंतरिक शरीर की जो दशा थी उसे दर्शाता है. हर साल, आपको जो रोग हुआ वह आपके वसा के संग्रह वायरस या बैक्टीरिया का एक छोटा सा अवशेष छोड़ जाता है. आपने जो विष पचा लिए हैं उनकी भी थोड़ी निशानी रह जाती है. आपके पूरे शरीर में आप जिन चीजों से गुज़रे हैं उन सबके नमूने संग्रह किए गए हैं.

एलो वेरा में अंदर से बाहर तक साफ करने का अनोखा गुण है. इसलिए जब आप अपने शरीर को एलो वेरा के साथ साफ और विषहरण करते हैं, तो आप उन विषों, बैक्टीरिया और वायरसेस को निकालते हैं जो आपके वसा के संग्रह में पनप रहे हैं. जब वे निकलते हैं, तो शायद आपको उस विशेष समस्या या घटना का सामना करते समय अनुभव होने वाले प्रारंभिक लक्षणों जैसा आनुभव हो सकता है-लेकिन हल्के रूप में. आपका नाक बह सकता है, आप थकावट महसूस कर सकते हैं, आपको शरीर में दर्द हो सकता है या आपको बुखार भी हो सकता है, क्योंकि आपका शरीर इतने सालों से विषों और रोग के साथ काम कर रहा था. बल्कि, आपको अनुभव होने वाले लक्षण पहले अनुभव होने वाले लक्षणों के विपरीत क्रम में होने की संभावना हो सकती है. हाल ही के सालों में आपके शरीर के संपर्क आने वाले विष अपना असर सबसे पहले दिखाएँगे और उसके बाद जीवन में पहले घटी हुई चीजें अपना असर दिखाएँगी.

इसे हीलिंग क्राइसिस कहा जाता है. ठीक होने की प्रक्रिया के दौरान, आपको कुछ बेआरामी हो सकती है और आप किसी चीज़ की चपेट में आने जैसा महसूस कर सकते हैं. विषाक्तता के गंभीर मामलों में, आप असल में काफी बीमार सा महसूस कर सकते हैं. लेकिन, आप निश्चिंत रहें कि यह आपके शरीर का सफाई करने का तरीका है-इन विषों से पूरी तरह और हमेशा के लिए छुटकारा पाने का तरीका है. यदि सफाई के दौरान, आप बीमार सा महसूस करते हैं, तो संभावना है कि यह वसा के संग्रह में से आपके शरीर में छोड़े जाने वाले विषों, बैक्टीरिया और वायरसेस के कारण हो.

हीलिंग क्राइसिस के बारे में लोगों के मन में सबसे बड़ी गलतफहमी यह मानना है कि उन्हें किसी छिपे हुए संक्रमण ने धर दबोचा है या मुंहासे जैसी कोई तकलीफ जिसके बारे में वे सोचते थे कि उन्होंने काफी समय पहले ही छुटकारा पा लिया था, वह फिर से लौट आई है. लेकिन, हीलिंग क्राइसिस के साथ, ये लक्षण इस बात का संकेत हैं कि आपका शरीर रोग या बीमारी के प्राथमिक कारणों की रचना करने वाले विषों या पदार्थों के अंतिम अवशिष्टों को अंततः खुद ही मिटा रहा है.

इन लक्षणों से छुटकारा पाने का सबसे अच्छा तरीका है खूब सारा पानी पीना और एलो वेरा की नियमित खुराक जारी रखना. हीलिंग क्राइसिस के दौरान ज़्यादा खाने से बचें और आसानी से पचने वाले हल्के आहार ही लें.

पाचन और एलो वेरा जेल

स्वस्थ पाचन तंत्र को अच्छे स्वास्थ्य का आधार माना जाता है. यह सदियों से माना जा रहा है और साबित हो चुका है कि हमारी मानसिक और शारीरिक ताकत पाचन की बढ़िया कार्यप्रणाली से आती है जो सारे पोषकों को सोखने और विषों को निकालने के लिए ज़िम्मेदार होती है. जब तंत्र स्वस्थ है और अच्छी तरह काम कर रहा है, तो पूरे शरीर की प्रक्रियाएँ और प्रणालियाँ सुचारु रूप से चलती हैं. जब शरीर अच्छी तरह से नहीं पचा रहा है, तो गैस, अफारा, मतली, कब्ज़, मोटापा और भावनात्मक असंतुलन के लक्षण दिखाई देते हैं. जब ये लक्षण दिखते हैं, तो शरीर अपनी पूरी क्षमता के साथ विषहरण नहीं कर रहा है और लिवर में विषैले पदार्थों की भरमार है.

जब हम ब्रेड, मांस और सब्जियों जैसी चीजें खाते हैं, वे उस रूप में नहीं होती जिसे हमारा शरीर पोषण की तरह उपयोग कर सके. हमारे भोजन और पेय को शरीर में सोखे जाने और पूरे शरीर में कोशिकाओं तक पहुँचाए जाने से पहले पोषकों को छोटे–छोटे कणों में परिवर्तित किया जाना चाहिए. **पाचन वह प्रक्रिया है जिसमें भोजन और पेय को एकदम छोटे टुकड़ों में तोड़ा जाता है ताकि शरीर उन्हें कोशिकाएँ बनाने और पोषण करने और ताकत देने के लिए उपयोग कर सके.**

पचाया गया भोजन पाचन प्रणाली के माध्यम से बढ़ता है. इसे यांत्रिकी (चबाना, मथना) और रासायनिक (पाचक रसों) रूप से तोड़ा जाता है. इसका एक भाग घुलनशील पोषकों में परिवर्तित किया जाता है जिन्हें छोटी आंत में रक्त में सोखा जाता है और फिर अंगों तक पहुँचाया जाता है. आंत में, अनपचा आहार विष्ठा के रूप में निकाल दिया जाता है.

सोखने का अधिकतर काम छोटी आंत में होता है. चूँकि यह चाइम (पेट से बाहर आने वाला आंशिक रूप से पचा भोजन) के संपर्क में आने वाली एपिथेलियल मेम्ब्रेन की मात्रा पर निर्भर करता है, इसलिए आंत्रीय दीवार की सतह का क्षेत्र जितना बड़ा होगा, उसका अवशोषण उतना ही बेहतर होगा. सतह का यह बढ़ा हुआ हिस्सा आंत्रीय दीवार की तहों और विलाई कही जाने वाली संरचनाओं द्वारा प्रदान किया जाता है.

आंत्रीय विलाई छोटी, उंगलियों जैसे प्रक्षेप हैं जो छोटी आंत

की दीवार से बाहर आते हैं और उनमें माइक्रोविलाई कहे जाने वाले अतिरिक्त विस्तार होते हैं जो विलाई लाइनिंग से बाहर निकलते हैं. वे शोषण का क्षेत्र और आंत्रीय दीवार की सतह का क्षेत्र बढ़ाते हैं. भोजन का काफी तेजी से अवचूषण महत्व–पूर्ण है ताकि ज़्यादा भोजन सोखा जा सके.

हममें से अधिकतर लोग ज़रूरत से ज़्यादा खाते हैं लेकिन फिर भी कुपोषित रहते हैं. हमारे स्वाद मुलायम, मीठे, चिपचिपे स्वादिष्ट आहार की ओर आकर्षित रहते हैं–पाचन तंत्र से बेकार चीजों को ले जाने वाले फाइबर की कमी वाले. **ये भोजन और बेकार चीजें हमारी विलाई पर परत बनाते हैं और अवरुद्ध करते हैं, उन्हें कांक्रीट की तरह भर देते हैं.** संचित, अब विषैले हो चुके, भोजन के कण विलाई को उसका काम करने से रोकते हैं. पोषकों को शरीर की सभी कोशिकाओं को भोजन देने के लिए रक्त तक पहुँचाना मुश्किल हो जाता है.

अगर कई हफ्तों तक, एलो वेरा जूस को रोज़ाना लिया जाए, तो सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि विषों को साफ करने की प्रक्रिया काफी आसान हो गई है. लेकिन, यह जानने की ज़्यादा प्रथा है कि इन अवशेषों को आराम से और धीरे

धीरे तोड़ने, ढीला करने और कुदरती उत्सर्जन में सहायक बनने के लिए एलो वेरा जेल की नियमित, दैनिक खुराक पर्याप्त है या नहीं.

एलो वेरा जेल की दैनिक खुराक का कार्यक्रम निश्चित करने में, हो सकता है यह न पता चले कि प्रभाव धीरे–धीरे, कोमल हैं और इसके कोई उत्तेजक या नुकसानदायक दुष्परिणाम नहीं है, साथ ही एलो वेरा की विषहरण की योग्यता के कारण रक्त की स्थिति में सुधार हो सकता है.

Microscopic Section of Small Intestine Showing VILLI

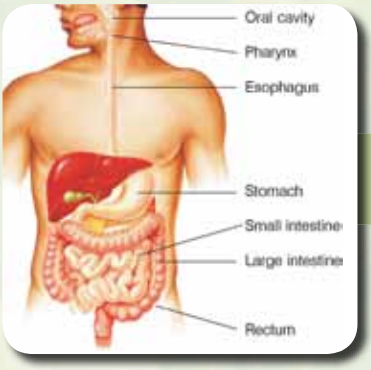

DIGESTIVE SYSTEM

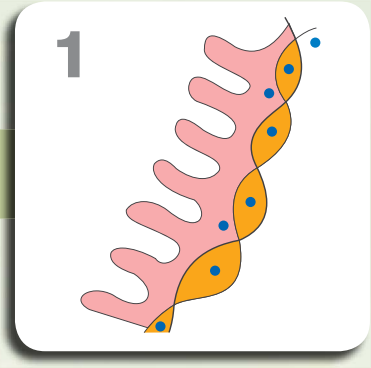

ABSORPTION OF NUTRIENTS

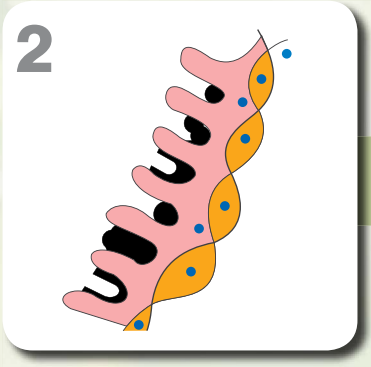

TOXINS ACCUMULATIONS

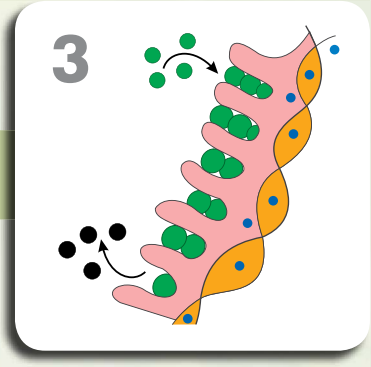

CLEANSING ACTION OF ALOE VERA

धीरे धीरे आंत अशोषित भोजन के अवशेषों की परत से भर जाता है. ये संग्रह जम जाते हैं और हमारे भोजन से आवश्यक पोषकों को अवचूषित होने से रोकते हैं. यह हालात कुपोषणता की ओर ले जाते हैं जो फिर से सुस्ती और थकावट का कारण बनते हैं, साथ ही प्रभावित कोलोन पेट के निचले हिस्से में दर्द, दस्त या कब्ज का कारण बन सकता है.

कई सालों तक कोलोन की दीवार में हुआ जमाव शरीर को अच्छे पोषक तत्वों को सोखने से रोकता है, जबकि संचित, गाढ़े, मलीय पदार्थ में से ज़हर और विष निकलते रहते हैं. कई सालों तक होने वाला यह जमाव कई दीर्घ स्थायी रोगों का कारण है.

समझे जाने वाले महत्वपूर्ण तथ्य :

1. अब अनुसंधानकर्ता मानते हैं कि सभी रोगों का 90% पाचन प्रणाली के बड़ा होने, अनुचित पाचन, पोषकों के शोषण और समत्व से शुरू होता है. संक्षेप में, उचित पाचन, पोषकों का शोषण और समत्व उपयुक्त बचाव के बराबर है.

2. शरीर की हर कोशिका, हर उत्तक, हर ग्रंथि और हर अंग को पोषकों द्वारा ताकत पाने और पोषित होने की ज़रूरत पड़ती है. पोषकों के उचित समत्व के बिना, शरीर के सभी घटक असमय नष्ट हो जाएँगे और संभवतः रोगग्रस्त हो जाएँगे.

3. पाचन प्रणाली के रोगों और खराबियों को उपचार के बिना नहीं छोड़ना चाहिए. पाचन प्रणाली और पूरे शरीर के किसी भी हिस्से में उपस्थित रोग को ठीक करने के लिए उचित पाचन, पोषकों का शोषण और समत्व सुनिश्चित किया जाना चाहिए.

4. कई अनुसंधानकर्ताओं में यह आम धारणा है कि रोग के खिलाफ शरीर का कुदरती बचाव का तरीका (प्रतिश्क्षक प्रणाली) उसकी कार्यप्रणाली को शक्ति प्रदान करने के लिए काफी हद तक पोषकों के अवशोषण पर निर्भर है. आवश्यक पोषकों के उचित अवशोषण के बिना, प्रतिरक्षक प्रणाली संभावित रोग को हटाने या मौजूदा हालातों का प्रभावशाली ढंग से मुकाबला करने में अयोग्य रहती है. इसीलिए, अधिकतर हिस्सों के लिए पर्याप्त आवश्यक पोषकों के बिना संभावित रोगों से लड़ने या रोग से उबरना असंभव है. पोषक तत्व महत्वपूर्ण अंश हैं और शरीर उनका शोषण करने की स्थिति में होना चाहिए.

5. सभी औषधीय दवाएँ 99% रोग को दूर या ठीक नहीं करतीं. वे सिर्फ लक्षणों को छुपा देती हैं या उनका "रंग रूप" बदल देती हैं जिससे कि कारक तत्व वहीं के वहीं रहते हैं.

Diseases of the Digestive System

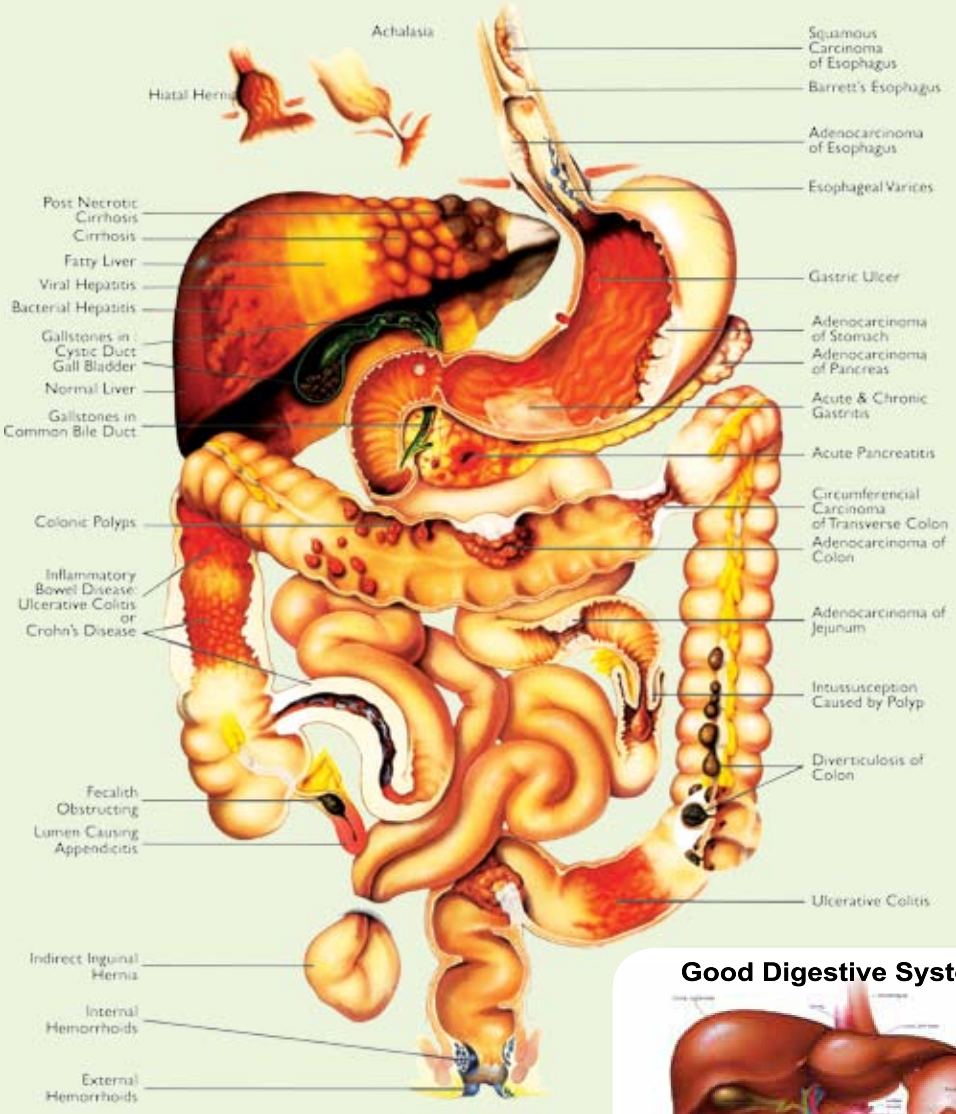

Good Digestive System

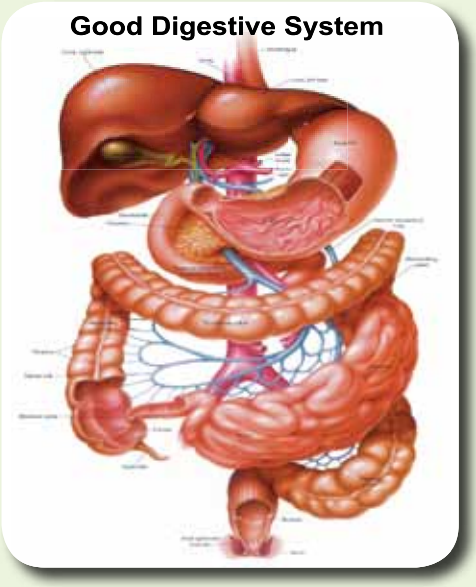

दांतों की देखभाल और एलो वेरा जेल

मुँह एक ऐसा कोटर है जो मुलायम और नाज़ुक टिशूस से भरा हुआ है. इन टिशूस को खाने की सामग्री की नियमित खुराक मिलती रहती है, जिससे यह बैक्टीरिया के प्रजनन के लिए आदर्श जगह बन जाती है. मुँह में बैक्टीरिया के फलने फूलने से वे दाँतों पर भी हमला करते हैं और स्टोमाटाइटिस, साँस की बदबू, जिंजिवाइटिस और पेरियोडोनटायटिस जैसी दाँतों की तकलीफें होती हैं. ऐलो वेरा कुदरती एंटी–फंगल तत्व और एंटी–बैक्टीरियल पौधा है. यह दाँतों के स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी है और आंतरिक रूप से लिए जाने पर मुँह के अति संवेदनशील कमज़ोर टिशूस की रक्षा करता है.

दंतचिकित्सा में एलो वेरा का उपयोग

डॉ.रिचर्ड सडवर्थ, बीडीएस, एलडीएस, आरसीएस (इंग्लैंड) द्वारा प्रकाशित लेख का अंश

एलो वेरा के अनेक दंत्य उपयोग हैं. यह मसूड़ों के रोग–जिंजिवाइटिस और पेरियोडोनटायटिस के उपचार में बेहद मददगार हैं. यह मुलायम टिशूस की सूजन घटाता है और उसके परिणाम स्वरूप मसूड़ों का रक्तस्त्राव कम होता है. यह मसूड़ों में शक्तिशाली एंटीसेप्टिक है जहाँ पर सफाई करना मुश्किल होता है.

इसके एंटी–फंगल गुण डेंचर स्टोमाटाइटिस यानि कि डेंचर द्वारा स्थायी रूप से घेरे हुए लाल और ज़ख्मी म्युकस मेम्ब्रेन की सम स्या में बहुत ज़्यादा सहायक होता है–यह थ्रश का एक प्रकार है. मुँह के दरार वाले और फटे हुए कोनों में भी फफूँदीय संक्रमण हो जाता है और उसका इलाज ऐलो के साथ किया जा सकता है.

इसके एंटी–वायरल गुण ठंडे ज़ख्मों (हर्पिस सिम्पलेक्स) और शिंगल्स (हर्पिस ज़ोस्टर) के उपचार में मदद करते हैं. यह एक शक्तिशाली रोगहर प्रोत्साहक है और दाँत निष्कर्षण वाली जगह में भरे जाने पर यह बहुद ही लाभदायक है. इसे सर्जरी के किसी भी ज़ख्म में उपयोग किया जा सकता है. रूट कनाल उपचार के दौरान इसे शामक पट्टी, रोगहर प्रोत्साहक और फाइल लुब्रिकेंट की तरह उपयोग किया जाता है.

एलो वेरा–दंत चिकित्सकों के लिए वरदान :

डॉ.टिमोथी ई.मूर, एम.एस.ओक्लाहोमा युनिवर्सिटी, बेलर युनिवर्सिटी और लोमा लिंडा द्वारा

दंत चिकित्सा के अभ्यास में एलो वेरा के मुख्य आठ उपयोग हैं :

1. पेरियोडोन्टल सर्जरी की जगह पर सीधे एलो वेरा लगाना.
2. दाँतों के ब्रश, कड़े आहार, दाँत साफ करने के फ्लॉस और टुथपिक से लगी चोट द्वारा ज़ख्मी या खुरचे गए हों, तब मसूड़ों के टिशूस पर लगाना.
3. एलो के उपयोग से रसायन द्वारा जली हुई जगह को तेजी से राहत मिलती है.
4. दाँत निष्कर्षण वाली जगह एलो से उपचार किए जाने पर ज़्यादा अच्छी प्रतिक्रिया करती है.
5. हर्प्टिक वायरल जख्मों, एप्थाउस अल्सरों, कैंसर के घावों और होठों के कीनारों पर होने वाली फटन जैसे मुँह के गंभीर जख्मों में एलो सीधे लगाने से उनमें सुधार होता है. मसूड़ों के फोड़ों को भी एलो लगाने से आराम मिलता है.
6. लाइकेन प्लेनस और बिनाइन पेम्फिगस, एड्स और ल्यूकीमिया जैसे रोगों में भी राहत मिलती है. माइग्रेटरी ग्लॉसीटाइटिस, जोग्रेफिक टंग और बर्निंग माउथ सिंड्रोम भी बेहतर होते हैं.
7. घावों और खराब फिटिंग या आंशिक डेंचर वाले डेंचर मरीजों को भी फायदा हो सकता है क्योंकि फफूँदीय और बैक्टीरियल खराबी प्रज्जवलन वाली उत्तेजनाओं को कम करती है.
8. एलो वेरा को बैक्टीरियल खराबी से होने वाली जलन नियंत्रित करने के लिए दाँत लगाई गई जगह के आस पास भी उपयोग किया जा सकता है.

फॉरएवर ब्राइट टुथ जेल

पिछले एक दशक में कुछ समय से फॉरएवर ब्राइट टूथ जेल की इतनी अच्छी बिक्री रही है कि यह वास्तव में पूरा बिक गया ! इस उत्पाद के साथ लोगों को आश्चर्यजनक परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं. फॉरएवर ब्राइट टुथ जेल की लोकप्रियता के बावजूद, हमारे वितरक हमसे लगातार इसके बारे में और जानकारी माँगते रहते हैं, इसलिए हमने एक लेख लिखने का फैसला किया जो विस्तृत जानकारी देगा और उसे क्लीनिक्स में उपयोग किया जा सकता है या बेचा जा सकता है. क्योंकि आप एलो वेरा को सिर्फ त्वचा की समस्याओं से निजात पाने के लिए उपयोग करेंगे लेकिन आप पाएँगे कि वह आपके मसूड़ों के लिए बहुत असरदार है. फॉरएवर ब्राइट टुथ जेल ने 1985 से वही फॉर्मूला बरकरार रखा है, और उसमें एलो वेरा प्रथम सामग्री है.

विशेषताएँ :

- प्लाक (स्ट्रेप म्युटैन्स) का कारण माने जाने वाले बैक्टीरिया को रोकता और मारता है.
- पेरियोडोनटायटिस या मसूड़ों के रोग से लड़ने में प्रभावशाली
- सफेद बनाने की क्रिया बढ़ाना और बदबू घटाना
- अपघर्षण में बहुत कम

फॉरएवर ब्राइट टुथ जेल के साथ किए गए शोध

1. फॉरएवर ब्राइट को दंत परीक्षण वाली उस प्रयोगशाला में भेजा गया जो अपनी अचूकता और प्रमुख एवं मार्केट के कुछ विशिष्ट फॉर्मूलों के खिलाफ अपघर्षण के लिए जाँच की सूक्ष्मता के लिए मशहूर है. जाँचे गए सभी नमूनों में से फॉरएवर ब्राइट का अपघर्षण सबसे कम था. यह साबित हो गया कि बेहद कम अपघर्षण के साथ इसमें सफाई करने की अद्‌भुत क्षमता है; अपघर्षण इतना कम था कि इसे पॉलिशिंग टुथजेल घोषित कर दिया गया.

2. शोधों के सुझावों की समीक्षा करने के बाद फॉरएवर ब्राइट जेल की संरचना तैयार की गई, इन समीक्षाओं में बताया गया कि अच्छी सफाई और मुँह की ताज़गी के लिए सबसे असरदार और मनपसंद माध्यम के रूप में बाज़ार का चलन जेल संरचना की ओर बढ़ रहा है. बहुत से लोगों ने यह सवाल भी पूछा कि फॉरएवर ब्राइट टुथ जेल में फ्लोराइड नहीं है. आइए इसके बारे में थोड़े विस्तार से बात करते हैं.

फ्लोराइड हमेशा फायदेमंद नहीं होता !

फ्लोराइड हमारे शरीरों की हर छोटी से छोटी चीज़ और कुछ आहारों में पाया जाता है. इस बात का सबूत बड़े पैमाने पर मिल रहा है कि फ्लोराइड के पूरक लेने या स्रोतों से हासिल करके ज़्यादा फ्लोराइड खाने से हमारी सेहत पर दर असल बुरा प्रभाव पड़ता है. पहले ऐसा माना जाता था कि दाँत की सड़न रोकने वाली आवश्यक पोषक सामग्री फ्लोराइड है. लेकिन, कुछ व्यावसायिक अनुसंधानकर्ताओं के पास चिकित्सीय सबूत हैं जिसमें बताया गया है कि दर असल फ्लोराइड बुढ़ापे के नज़र आने वाले लक्षण दिखाता है और ऐसा पाया गया है कि यह शरीर के नवीकरण या दुरुस्ती की क्षमताओं को नुकसान पहुँचा सकता है.

यह कैसे संभव है ?

अनेक अनुसंधानकर्ताओं ने उन दुष्परिणामों पर शोध की और पाया कि फ्लोराइड शरीर की कार्यप्रणाली के लिए ज़िम्मेदार साधारण प्रोटीन्स को खराब करता है. प्रोटीन्स का स्थिर किया हुआ आकार नष्ट होने के बाद, प्रोटीन्स की एंजाइमेटिक क्रिया भी नष्ट हो जाती है.

सच्चाई : एलो वेरा में पाए जाने वाले एक ज्ञात एंज़ाइम के बारे में पता चला कि उसे फ्लोराइड के साथ उपयोग करने से वह 100% निषिद्ध हो जाता है. दूसरा 70% निषिद्ध पाया गया. फ्लोराइड एलो के अन्य महत्वपूर्ण एंज़ाइम्स पर नाशक प्रतिक्रियाएँ करते देखे गए. हम ऐसी अन्य टुथपेस्ट के बारे में जानते हैं जिसमें फ्लोराइड और एलो वेरा दोनों हैं. स्पष्टतया उन कंपनियों ने "सेल अपील" के तौर पर एलो वेरा की प्रभावशीलता को बनाए रखने से ज़्यादा महत्वपूर्ण फ्लोराइड को सूचीबद्ध करने का फैसला किया. उसके विपरीत, हमने महसूस किया कि एलो वेरा का मूल्य बनाए रखना सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण है.

स्किन केयर और ऐलो वेरा

पिछले दो दशकों से, स्किन केयर की प्रगति प्रतिस्पर्धी तकनीकों के दर से बढ़ी है. जैसे कि सेल फोन्स सिर्फ फोन सुनने के लिए होते थे, उसी तरह से स्किन केयर उत्पाद भी सिर्फ साफ करने, टोन करने और नमी प्रदान करने के लिए होते थे. लेकिन वे दिन लद गए हैं. जैसे ही छोटी उम्र के लोगों में बुढ़ापे के पहले लक्षण दिखने शुरू हुए, उन्होंने ज़्यादा स्किन केयर उत्पादों की माँग शुरू कर दी. उन्होंने बारीक लकीरें और झुर्रियाँ हटाने, लटकी त्वचा में कसाव लाने और सूखी बेजान त्वचा में फिर से निखार लाने की योग्यता वाले बहुकार्यकारी फॉर्मूलों पर ज़ोर दिया.

हाल ही में, कॉस्मेटिक की कार्यकुशलता का स्तर ऊँचा कर दिया गया है. अब, सिर्फ बुढ़ापे की निशानियों को कम करना ही काफी नहीं है. आज के समझदार ग्राहक इसके मुख्य कारणों में से एक–त्वचा खराब करने वाले प्रदूषकों–से पूरी तरह से कब्ज़ा जमाने से पहले ही बचाव चाहता है. इस चलन का सबूत हाल ही के सालों में मार्केटों में शेल्फों पर कुदरती एंटी–पॉल्यूशन स्किन केयर उत्पादों की भरमार से मिलता है. दुर्भाग्यवश, नवीनतम सामग्रियों को अपने फॉर्मूलों में डालने की जल्दी में, कई निर्माताओं ने सबसे आसान और सबसे प्रभावशाली एंटी–पॉल्यूशन तत्वों में से एक–एलो वेरा को अनदेखा कर दिया.

एलो वेरा को कई सदियों से जली और घाविक त्वचा और ज़ख्मों के रोगहर और कोमलता भरे मॉइश्चराइज़र के रूप में जाना जाता है, इसके गुणों का आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधानों ने भी सत्यापन किया है. लेकिन, हालिया शोध से पता चला है कि एलो प्रदूषण का सामना करने वाले स्किन केयर उत्पादों में जगह पाने का हकदार है क्योंकि यह प्रदूषकों के लिए प्रभावशाली रोधक का काम करता है, प्रदूषण से पैदा होने वाले फ्री–रेडिकल्स द्वारा रचे गए ऑक्सीडेटिव तनाव को घटाता है, शरीर की विषहरण प्रणाली को क्रियाशील बनाता है और अल्ट्रावायलेट बी (यू वी बी) किरणों से दबे प्रतिरक्षण को लौटाता है. इन सबके अलावा, एलो का बेहतरीन गुण है कि यह ऊपरी तौर पर और आंतरिक रूप से काम करता है, और एंटी–पॉल्यूशन एवं विषहरण लाभों के लिए इसकी स्थिति से इसे कॉस्मेटिक एवं आहारीय पूरक के रूप में आदर्श बना देता है.

कोयले की खान में कनारी चिड़िया

इसका लाजवाब डिज़ाइन, त्वचा को शरीर की भीतरी और बाहरी दुनिया के बीच लगभग अभेद्य रुकावट बनाता है. वह रुकावट अवांछित मेहमानों–जैसे कि रोगाणुओं (सूक्ष्मजीवों या इन जीवों के रोगकारक घटकों)–को बाहर ही रहने देती है, जबकि पानी जैसे आवश्यक पोषकों को–अंदर आने देती है. दुर्भाग्यवश, कभी कभार खोजी कण इस रुकावट में प्रवेश कर लेते हैं. बल्कि, अनुसंधानकर्ता लोवेल ए.गोल्डस्मिथ के अनुसार, त्वचा "प्रदूषण के लिए एक लक्षित अंग है और वह बाहरी तत्वों को शरीर के अंदर प्रवेश करने देता है".

शरीर का सबसे बड़ा अंग होने और पर्यावरण के संपर्क में सबसे प्रत्यक्ष रूप से आने के कारण, घर के अंदर और बाहर वाले वायु प्रदूषण से होने वाले नुकसानों के लक्षण दिखाने वाली त्वचा सबसे पहली जगह भी हो सकता है. दूसरे शब्दों में कहा जाए, तो यह कोयले की खान में शरीर की कनारी चिड़िया की तरह काम करता है (दूसरों के लिए चेतावनी जैसा काम करता है)

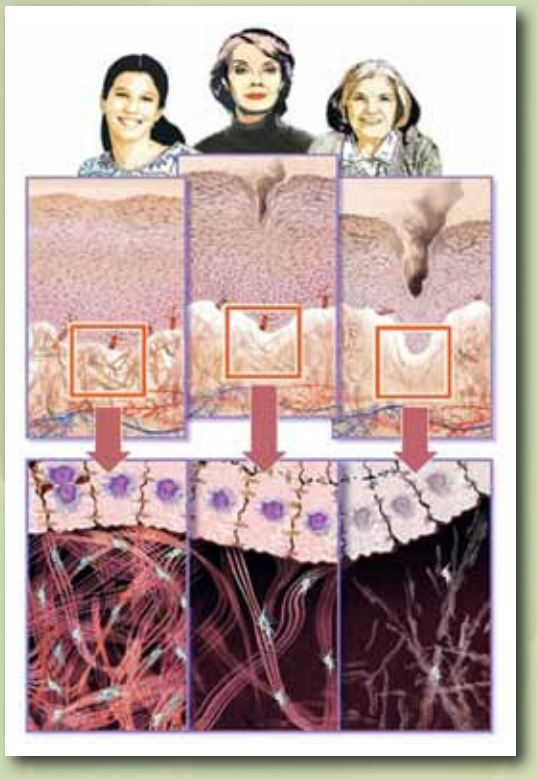

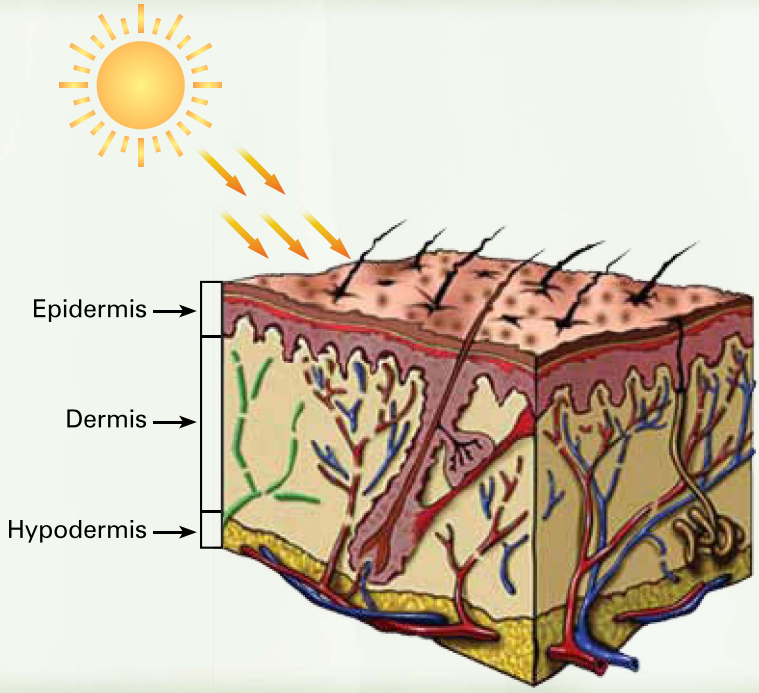

एलो त्वचा के अंदर और बाहर दोनों तरफ से काम करता है और इसकी यही ख़ासियत इसे कोस्मेटिक्स और खाद्य पूरक आहार के लिए आदर्श बनाती है और प्रदूषण हरने और विषहरण गुणों के लिए अपना अलग स्थान बनाती है.

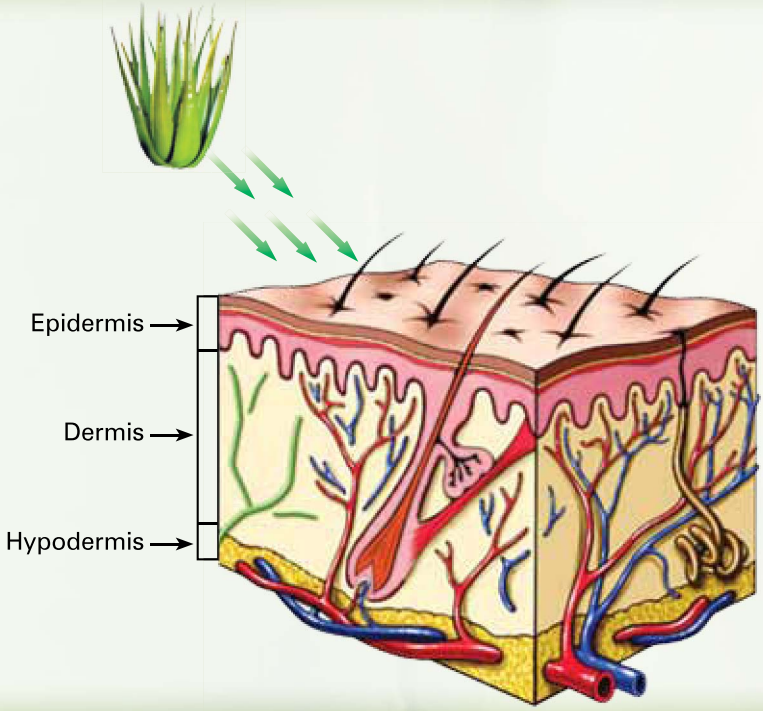

वास्तव में प्रदूषक हमारी त्वचा को क्या करते हैं ? सबसे पहले, वे एटॉपिक डर्मिटाइटिस, सोरायसिस और शल्कीय त्वचा सहित त्वचा की मौजूदा समस्याओं को बढ़ा सकते हैं, इस बात की खोज उन शोधकर्ताओं द्वारा की गई जिन्होंने पाया कि ये रोग शहरी जनसंख्या में ज़्यादा गंभीर हैं. दूसरे, वे त्वचा के रोग की घटनाएँ बढ़ा सकते हैं.

लेकिन, ज़्यादा मुश्किल समस्या यह है कि प्रदूषक फ्री रेडिकल्स उत्पन्न करते हैं, वे अस्थायी कण जो त्वचा के बुढ़ापे के साथ-साथ उम्र बढ़ाने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं. हालाँकि शरीर इन बदमाश कणों को कुछ हद तक तटस्थ करने में सक्षम है, लेकिन कभी-कभार इसके एंटीऑक्सीडेंट्स संग्रह फिर से भरने की गति से ज़्यादा तेज़ गति से खाली होते हैं.

कोलैजेन और इलास्टिन ही सिर्फ़ फ्री रेडिकल्स से पीड़ित नहीं हैं. अन्य शोध में पाया गया कि ओज़ोन और नाइट्रिक ऑक्साइड जैसे वायु प्रदूषक त्वचा के अंदर बसे मॉसच्राइज़र, सीबम की ऑक्सीडेशन बढ़ाते हैं. अनुसंधानकर्ताओं ने गौर किया कि प्रदूषक त्वचा की कोमलता और निखार को प्रभावित करते हैं, त्वचा के कुदरती रक्षकों को खतरा पैदा करते हैं और उत्तेजक एवं एलर्जिक प्रतिक्रियाएँ बढ़ा सकते हैं.

अप्रत्यक्ष होते हुए भी, वायु प्रदूषक द्वारा पैदा होने वाली त्वचा की एक अंतिम समस्या है. क्योंकि क्लोरोफ्लोरोकार्बन्स जैसे प्रदूषकों ने ओज़ोन परत में छेद बना दिया है, इसलिए लोग पहले के मुकाबले यू वी बी किरणों के संपर्क में ज़्यादा आने लगे हैं, जिससे स्किन कैंसर का खतरा बेहद बढ़ गया है. ओज़ोन में घटते हर प्रतिशत के साथ, यू वी बी विकिरण में 2 प्रतिशत वृद्धि होती है और स्किन कैंसर में 2 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान लगाया जा रहा है.

एलो वेरा आधुनिक समय में

बुनियादी स्तर पर, एलो प्रदूषकों के लिए बाधक की तरह काम करता है. त्वचा के मुख्य उद्देश्यों में से एक है बाधक की तरह काम करके शरीर को रोगाणुओं और विषों से बचाना. ऊपरी तौर पर लगाए जाने पर, एलो वेरा उस बाधा को मज़बूत बनाता है. कैसे ? एलो वेरा में पाए जाने वाले म्युकोपॉलीसैकराइड्स पानी के साथ रासायनिक जोड़ बनाते हैं, जिससे जेल को उसकी पहचान गाढ़ी, चिपचिपी बनावट मिलती है. त्वचा पर जिलेटिन जैसी परत बनाकर, एलो प्रदूषकों को बाहर रखने और पानी को अंदर लेने में मदद करता है.

एलो वेरा तीन खास तरीकों से ऑक्सीडेटिव तनाव को तटस्थ बनाने में भी मदद करता है.

- पहला, एलो में कुदरती रूप से-विटामिन्स, फेनोलिक कंपाउंड्स और प्रीऑक्सीडेसेस सहित-अनेक एंटीऑक्सीडेंट्स हैं जो त्वचा से और शरीर में से फ्री रेडिकल्स को दूर भगाते हैं.
- दूसरा, एंटीऑक्सीडेंट्स के अपने संग्रहों के अलावा, एलो वेरा जेल शरीर के अंतर्जात एंटीऑक्सीडेंट एंज़ाइम प्रणालियों को भी क्रियाशील करता है.
- अंततः, एलो में विटामिन ई और सी का अवशोषण बढ़ाने की अनोखी और लाजवाब क्षमता है.

त्वचा की रक्षा करने का एलो वेरा जेल का अन्य तरीका यह है कि वह फ्री रेडिकल्स सहित प्रदूषकों की अक्रियाशीलता, विषहरता और दूर भगाने के लिए ज़िम्मेदार मेटाबोलिज़्म को सक्रिय करता है. यह एक महत्वपूर्ण कार्य है क्योंकि कोई भी विष अंततः जितना नुकसान पहुँचाता है इसका पता इसीसे चलता है कि हमारा शरीर उसका कितनी अच्छी तरह विष-हरण कर सका.

एलो यू वी बी किरणों की वजह से हुए प्रतिरक्षण दबाव को भी लौटाता है. जब यू वी बी किरणें त्वचा पर आक्रमण करती हैं, वे न सिर्फ फ्री रेडिकल्स बनाती हैं बल्कि वे प्रतिरक्षा को भी दबाती हैं. दुर्भाग्यवश, पर्यावरण में ओज़ोन क्षरण वाले प्रदूषकों की वजह से, ओज़ोन परत उतने यू वी बी विकिरण को शोषित नहीं करती, जितना पहले किया करती थी.

प्रमाण

प्रमाण 1

मेरा नाम लाज़रीन गोविया है. मैं 54 साल की हूँ और12 सालों तक बाहरेन में रह चुकी हूँ. पिछले 40 सालों से मुझे साइनोसाइटिस के गंभीर दौरे पड़ते थे. यब बहुत ही दर्द, सूखी खाँसी से शुरू होती थी और उसके बाद सिरदर्द, बंद नाक और नाक में खुजली के साथ छींकों का सिलसिला शुरू होता था, जिससे गंभीर संक्रमण हो जाता था. मुझे उद्वीप्य आन्त्र सहलक्षण (इरिटेबल बावल सिंड्रोम) भी थी जिससे मुझे दैनिक कामों में तकलीफ होती थी. मुझे ई एन टी डॉक्टरों के पास जाना पड़ता और एंटी–बायोटिक्स का कोर्स करना पड़ता. इन सब दवाओं में अस्थायी तौर पर आराम मिलता लेकिन विभिन्न दवाओं की भयानक प्रतिक्रियाओं की वजह से मैंने कई रातें जागकर काटीं. मेरा जीवन मेरे लिए और मुझसे ज़्यादा मेरे पति के लिए यातना जैसा बन गया था. मेरे ऊँचे–ऊँचे खर्राटे उन्हें रात भर जगाए रखते और उनके पास हॉल में जाकर सोफे पर सोने के सिवा कोई चारा न बचता.

सन 1993 में, बाहरेन से पुणे शिफ्ट होने के बाद, ये दौरे बहुत जल्दी–जल्दी पड़ने लगे और दो अलग–अलग घटनाओं में मुझे अस्पताल में भी भर्ती होना पड़ा. जब मेरा इलाज करने वाले डॉक्टरों ने देखा कि मुझ पर पारंपरिक दवाओं का कोई असर नहीं हो रहा है, तो उन्होंने मुझे स्टीरॉइड्स की हल्की खुराकें देनी शुरू की जिनके बारे में मुझे नहीं बताया गया. मेरी बदहाली जारी रही क्योंकि मैं देख रही थी कि इन दवाओं से मेरे फेफड़ों की रुकावट में कोई सुधार नहीं हो रहा. जब मेरे स्थानीय केमिस्ट से मुझे यह पता चला कि मेरे उपचार में स्टीरॉइड्स शामिल हैं, तो मुझे धक्का लगा. इससे मेरी बदहाली और रतजगे बढ़ गए. जब भी मैं ई एन टी डॉक्टर के पास जाती, वह नाक के ऑपरेशन पर बहुत ज़ोर देता और कहता कि इससे दौरों में कमी आएगी लेकिन पूरी तरह से आराम आने की गारंटी नहीं दे पाता था.

दिसंबर 2000 में, मेरा सामना एलो वेरा जेल और फॉरएवर बी हनी की बोतल से हुआ. मैंने मुश्किल से एक महीना पहले ही यह जेल और शहद पीना शुरू किया है, लेकिन इन्हें लेना शुरू करने के थोड़े दिनों बाद से ही मुझे अपनी सेहत में काफी फर्क महसूस हो रहा है. मुझे बेहतर महसूस होता है, मुझे अच्छी नींद आती है, मेरी छींकें और खाँसी बंद हो गई हैं और मेरे खर्राटे सकारात्मक रूप से बंद हो गए हैं जिसकी वजह से मेरे पति मेरे पास सोने के लिए खुशी–खुशी लौट आए हैं. मुझमें और मेरी सेहत में अचानक आए इस बदलाव को मेरे पड़ोसियों और दोस्तों ने भी महसूस किया.

मैं अपनी वर्तमान बढ़िया सेहत का श्रेय पूरी तरह से एलो वेरा और उसके चमत्कारी रोगहर गुणों को देती हूँ. तब से, मैं अपने मिलने वाले हर व्यक्ति, पड़ोसियों, रिश्तेदारों, दोस्तों आदि को एलो वेरा जेल और फॉरएवर बी हनी का सुझाव देती हूँ. मेरी राहत अनपेक्षित थी क्योंकि यह तब मिली जब मैंने दवाओं से उम्मीद छोड़ दी थी.

प्रमाण 2

मैं, श्रीमति हर्षा नलिन खिचाडिया, आयु 43 साल, कद, 5 फुट 2 इंच : 2/12/2002 से लम्बर प्रोलैप्स इंट्रोवर्टीब्रल डिस्क के साथ साइटिका नामक, आम तौर पर "डिस्क हर्निया" के नाम से मशहूर रीढ़ की हड्डी की तकलीफ से पीड़ित थी. मैं अपनी पीठ दर्द की वजह से आधे घंट से ज़्यादा समय तक खड़ी या बैठ नहीं पाती थी और मुझे एक घंटे या ऐसे ही कुछ समय तक आराम करना पड़ता था. इसलिए मैं ज़्यादा लंबे समय वाले घर या बाज़ार के काम नहीं कर पाती थी. मैंने रीढ़ की हड्डी के लिए एम आर आई करवाया और फीज़ियोथेरेपिस्ट द्वारा सांताक्रूज़ के आशा पारेख अस्पताल में "डायथर्मी" का उपचार भी कराया और मुझे 25% राहत मिली. डॉक्टरों ने मुझे रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन करवाने की सलाह दी जिसमें कम से कम एक–डेढ़

लाख का खर्च आता और लकवे का खतरा अलग से रहता. कुछ महीनों पहले तक, मैं सिर्फ दवाओं पर 15 से 20 हज़ार रुपया खर्च कर चुकी हूँ ! मेरे पति के दोस्त श्री हरीश खम्बाडिया मेरी तकलीफ के लिए लगातार एफ एल पी की प्राकृतिक चिकित्सा की सलाह दे रहे थे, लेकिन मेरा परिवार हर मौके पर झिझकता रहा.

2004 में हिंदू नव वर्ष पर हम एलो वेरा जेल और फॉरएवर लिविंग प्रॉडक्ट्स के कुछ पूरकों के संपर्क में आए. मेरी पीठ दर्द की तकलीफ के लिए हमें आर्टिक सी ओमेगा-3 और एम एस एम जेल का सुझाव दिया गया. अंततः मैं और मेरे पति इन उत्पादों को एक मौका देने के लिए मान गए. इसने 2/3 हफ्तों में मुझे आश्चर्यजनक रूप से 80% आराम दिया. इन चमत्कारी उत्पादों ने न सिर्फ हमारा बहुत सा पैसा बचाया बल्कि मेरा जीवन भी दर्दरहित कर दिया. अब मैं अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को उनके बेहतर स्वास्थ्य और तंदरुस्ती के लिए इन उत्पादों से परिचित कराने में व्यस्त रहती हूँ.

प्रमाण 3

मैं सुभाष कर्षी गाडा फॉरएवर लिविंग प्रॉडक्ट्स के चमत्कारी उत्पादों के लिए अपना प्रमाण दे रहा हूँ. मेरे बेटे मीथ को उसके जन्म के सिर्फ दो दिनों बाद ही पीलिया और बुखार हो गया था. उसी समय उसे मिर्गी भी हो गई. मैं उसे काफी अस्पतालों में ले गया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. हमारे परिवार ने उसके उपचार और निदान के लिए लाखों रुपए खर्च किए लेकिन हमें उसके बदले में सूटकेस भरकर रिपोर्टें मिली.

चूँकि उसे अक्सर एपिलेप्सी के दौरे पड़ते थे इसलिए वह चलने में डरता था, उसकी बोली को समझ पाना मुश्किल था. वह न्यूमोनिया, खाँसी और सर्दी से भी परेशान रहता था.

जब से मैंने उसे एलो वेरा जेल, फॉरएवर बी हनी और फॉरएवर लाइट देना शुरू किया है, उसमें सुधार के लक्षण दिखने लगे हैं. सिर्फ 15 दिनों में ही उसमें 20-25% तक सुधार हो गया. एक महीने के अंदर ही वह 50% तक बेहतर हो गया था. अगले महीने के अंत तक वह 80% तक ठीक हो चुका था.

अब मैंने अपने बच्चे को स्कूल में दाखिल करा दिया है. मुझे और मेरे परिवार को इस चम त्कारी पौधे और फॉरएवर लिविंग के उत्पादों के फायदे मिलना भगवान से मिले आशीर्वाद की तरह महसूस होता है.

प्रमाण 4

मैं फज़ीला पारिख त्युपस एरिथिमाटोसस से पिड़ित थी. इस बिमारी के कारण पाँच वर्षों तक मेरी शारीरिक शक्ति और रोग प्रतिकारक प्रणाली पर काफी बुरा प्रभाव पड़ा. मेरी ज़िन्दगी जैसे रूक सी गई क्योंकि डॉक्टरों ने मेरा छः बजे शाम के पहले घर से निकलना बंद कर दिया. मैं बेहद निराश हो गई, जीवन नीरस और दुःखी हो गया, रचनात्मक कौशल खत्म होने लगा, ऐसा लगता था कोई मेरे लिए कुछ भी नहीं करेगा. तभी मेरी चचेरी बहन नाहिद और उसके पति रिज़वान जो अब कामयाब मैनेजर्स हैं मेरे भाई के पास आये और एलो वेरा उत्पादों के बारे में बताया. मैं मेरे भाई के साथ एफ एल पी के ऑफिस आई, उत्पाद खरीदे और उन्हें लेना शुरू किया. एलो वेरा और अन्य एंटिऑक्सीडेंट उत्पाद लेने पर 12 दिनों के अन्दर मेरी शक्ति और जीवन में खुशियाँ वापस आने लगीं. आज मैं सभी उत्पाद उपयोग कर रही हूँ और धूप में यातायात भी कर सकती हूँ. मैं मेरी बहन और उसके पति, मेरे भाई की शुक्रगुज़ार हूँ, और श्री उमेश ढाकन हमारे बेहद गुणवान सीनियर मैनेजर हैं जिन्होंने मुझे काफी प्रोत्साहन दिया.

इन बेहतरीन और जादुई उत्पादों के लिय मैं एफ एल पी की शुक्रगुजार हूँ जिसने मेरी रचनात्मक कौशल और ताकत वापस ला दी.

प्रमाण 5

यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा तब हुआ जब रॉबर्ट रिग्स पर काम करता था, और एक दिन एक 20 टन की वज़न का शिकार हुआ. जैसे कि आप चित्र में साफ-साफ देख सकते हैं, उसकी चोट बहुत गहरी थी. चित्र में दिखाया गया है कि घाव को ज़्यादा बिगड़ने से बचाने के लिए टाँग को पट्टी बाँधकर रखा गया है. उस समय एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक गोलियाँ अति आवश्यक थी. रॉबर्ट को टाँग कटवाने की सलाह दी गई, लेकिन संक्रमण का सामना करने का उसका दृढ़ निश्चय ज्यों का त्यों रहा. जैसा कि आप चित्र में देख सकते हैं, कि घाव इतना गहरा था कि उसकी हड्डी नज़र आ रही थी. रॉबर्ट को हड्डी की ग्राफ्टिंग करवानी पड़ी लेकिन संक्रमण का खतरा तो अब भी बरकरार था. टाँग का सहारा हटा दिया गया लेकिन घाव भरने की क्रिया धीमी थी. ज़ख्म की पट्टी बार-बार बदलनी पड़ती थी क्योंकि पस का बनना जारी था.

अत्यधिक देखभाल और दवाओं के बाद, खुली हड्डी पर नया मांस आने लगा. टाँग काटने की संभावना पर विजय हासिल की गई. ज़ख्म भरने की धीमी गति ही असली परीक्षा थी. इस समय उचित दवाओं के साथ पूरे आराम और लगातार नज़र रखे जाने की ज़रूरत थी. रॉबर्ट को एलो वेरा के बारे में सूचित किया गया, उसे कहा गया कि वह कैक्टस जैसा एक पौधा है. उसे यह एकदम फालतू विचार लगा क्योंकि उसके बारे में परिवार के साथ बात करने का मतलब था आलोचना करवाना.

रॉबर्ट की टाँग पर अंतिम स्किन ग्राफ्ट की गई. इस चित्र में ज़ख्म के ऊपर की त्वचा के भरने की प्रक्रिया दिखाई गई है. दर्द से कुछ खास छुटकारा नहीं मिला था और ज़ख्म भी काफी धीरे भर रहा था. इसके अलावा, उसे बैसाखियों के सहारे चलना पड़ रहा था ताकि टाँग पर ज़्यादा ज़ोर न पड़े. एक बार फिर से रॉबर्ट के दोस्तों ने उसे मुझसे बात करके जानकारी पाने के लिए कहा कि दर असल ऐलो वेरा उसके ज़ख्म के लिए क्या क्या कर सकता है. उसी समय, उसका सामना ऐलो वेरा जेली से हुआ.

ज़ख्म भरने की प्रक्रिया में फर्क देखने में रॉबर्ट को सिर्फ तीन दिन का समय लगा. उसे यह जानकर हैरानी हुई कि उसके साथ-साथ पस भी गायब हो गई थी. आज वह ज़ख्म अतुलनीय ढंग से इस हद तक भर चुका है कि अब वह त्वचा की असली रंगत पाने तक पहुँच गया है. ऐलो वेरा जेल, ऐलो वेरा जैली और ऐलो प्रोपोलिस क्रीम के उपयोग के शक्तिशाली बल की वह प्रशंसा करता नहीं थकता. अब रॉबर्ट बिना किसी सहारे के चल सकता है और उसे तब से लेकर अब तक ज़ख्म पर पट्टी नहीं करवानी पड़ी. पैर पर दिखाई देनी वाली सूजन ऐलो वेरा जेल पीकर असरदार तरीके से खत्म की जा रही है.

फॉरएवर लिविंग प्रॉडक्ट्स (एफ एल पी)

हम कौन हैं ?

37 से भी ज़्यादा सालों से एफ एल पी स्वास्थ्य और सौंदर्य के लिए कुदरत के बेहतरीन स्रोतों को खोजने और दुनिया तक पहुँचाने में लगा हुआ है. 1978 में स्थापित, एफ एल पी ने कुदरत के बेहतरीन स्रोतों को आपके स्वास्थ्य के लिए काम करने के तरीके को फिर से लिखा है. ऐलो वेरा ड्रिंक्स, स्किन केयर उत्पादों और कॉस्मेटिक्स का हमारा पूरा परिवार आपके पूरे शरीर को ऐलो के लाजवाब गुणों का फायदा देता है. उसके साथ ही पोषक पूरकों की हमारी पूरी श्रेणी और मधुमक्खी के छत्ते के उत्पाद मिलाएँ और बेहतर स्वास्थ्य एवं सुंदरता कुदरती रूप से पाने की सम्पूर्ण प्रणाली आपके पास होगी.

एफ एल पी की कहानी एक व्यक्ति और उसके महत्वाकांक्षी ख्वाब से शुरू होती है. कई सालों तक, रेक्स मॉन बिज़नेस के लिए एक ऐसा आइडिया खोज रहे थे जो उनकी ज़िंदगी के दो सर्वोच्च लक्ष्यों– बेहतर स्वास्थ्य और वित्तीय आज़ादी को पूरा करे. 1978 में उन्हें वह मिला जिसकी उन्हें तलाश थी और 1978 में उन्होंने एफ एल पी की पहली बैठक के लिए एरिज़ोना के टेम्प में 43 लोगों को आमंत्रित किया. इस एकमात्र घटना से, एक ऐसे सफर की शुरुआत हुई जो व्यापारिक सफलता के अविश्वसनीय मकामों तक पहुँचा.

एफ एल पी एक आदमी के ख्वाब से लाखों लोगों के ख्वाब में बड़ी तेजी से तब्दील हुआ. हमारे उत्पादों की क्षमता और हमारे बिज़नेस प्लान की सादगी का मतलब हर उस इंसान से था जो अपने जीवन की क्वालिटी बेहतर बनाना चाहता था. कई लोगों ने बेहतर स्वास्थ्य देने वाले उत्पादों की तलाश में ग्राहकों के तौर पर शुरूआत की और फिर तरक्की करते हुए एफ एल पी के संतुष्ट ग्राहकों से सफल व्यवसायी बन गए; बाकियों ने बिज़नेस की क्षमता को तुरंत पहचाना और सफल संगठन बनाना शुरू कर दिया. इसमें शामिल होने के लिए उनका चाहे जो भी कारण रहा हो, परिणाम तो समान ही था. वे सफल होते गए, और वे दूसरों को ज़्यादा स्वस्थ और ज़्यादा धनवान बनने में मदद करते रहे. आज, 37 सालों बाद एफ एल पी के दुनिया भर के 155 से अधिक देशों में 10 मिलियन वितरक हैं.

कंपनी

एफ एल पी और उसके अफिलिएट्स दुनिया में ऐलो वेरा और मधुमक्खी के छत्तों के उत्पादों के सबसे बड़े उगाने वाले, उत्पादक और वितरक हैं और दुनिया भर में रीटेल बिक्री में लगभग 3 खरब डॉलर का आँकड़ा पार कर चुके हैं. इस बिज़नेस में सिर्फ 37 सालों की उपस्थिति के बाद इसके 155 से अधिक देशों में 10 मिलियन फॉरएवर बिज़नेस ओनर (एफ बी ओ) भी हैं और इसने अपने नाम को विश्वास एवं भरोसे के पर्यायवाची के रूप में स्थापित किया है.

एफ एल पी और उसके अफिलिएट्स के एलो वेरा के अपने खेत हैं और उगाने की प्रक्रिया के बढ़ने के समय से लेकर ऐलो पौधों के सावधानीपूर्वक और हाथों से काटे जाने तक के हर चरण की निगरानी विशेषज्ञों और देखभाल करने वाले लोगों द्वारा की जाती है. उगाने से लेकर निर्माण और अंततः उत्पादों के वितरण तक की हर प्रक्रिया एफ एल पी द्वारा सीधे की जाती है, जिससे यह समानांतर रूप से एकीकृत कंपनी बनती है जो अपनी आपूर्तियों या उत्पादन के लिए अपने सिवा किसी पर भरोसा नहीं करती.

एफ एल पी की एक सहायक कंपनी, एलो वेरा ऑफ अमेरिका, इंक (ए वी ए) एलो की पत्तियों से जेल निकालकर स्टैबेलाइज़ करती है और उत्पाद बनाती है ताकि वे समय पर तैयार किए जा सकें, जब कि अन्य उत्पादकों को दूसरे एलो उगाने वालों पर निर्भर रहना पड़ता है और क्वालिटी के मानक बनाए रखने के लिए उन्हें लगातार जाँचते रहना पड़ता है.

फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स हमेशा हमारे निष्ठावान ग्राहकों के लिए बेहतरीन उत्पादों की खोज में तत्पर है. वर्षों हमने हर प्रकार से नैसर्गिक, उम्दा–स्वाद और पोषण से भरपूर मधु उपलब्ध कराए हैं. हाल ही में हमने एक बेहतरीन स्रोत से मधु उपलब्ध कराया है जो इतना उम्दा है कि उसे आप तक हमें पहुँचाना ही था. इस का उत्पादन स्पेन के उँचे पहाड़ों पर एक विशिष्ठ, प्रदूषण रहित वातावरण में सक्षम मधुपालकों द्वारा पीढ़ी दर पीढ़ी किया जाता रहा है.

उत्पादों की श्रृंखला

एफ एल पी और उसके अफिलिएट्स एलो वेरा के दुनिया भर के सबसे बड़े निर्माता और वितरक हैं जो अपने ग्राहकों को स्किन केयर और स्वास्थ्य उत्पादों, पोषक पेयों, सौंदर्य उत्पादों और आहारीय पूरकों सहित एलो वेरा के प्रकृति आधारित उत्पाद की वेरायटी प्रदान करते हैं.

एफ एल पी द्वारा हर साल सतर्कता से विकसित और शोध किए गए नए उत्पाद पेश किए ज़ाते हैं.

हमारे पोषक उत्पाद उच्चतम क्वालिटी के होते हैं और आधुनिक तकनीक का उपयोग करके चुनिंदा सामग्रियों के साथ उत्पादित किए जाते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मनुष्यों के लिए हर रोज आवश्यक सभी विटामिन, मिनरल और अन्य पोषक तत्व उन्हें मिलें.

यहाँ तक कि पर्सनल केयर रेंज में भी, ग्राहकों को हमारे उत्पाद खरीदने के लिए ललचाने की खातिर उत्पादों में एलो वेरा की कुछ बूँदें मिलाने की बजाय, हम ताज़े सक्षम स्टैबेलाइज़्ड ऐलो वेरा के साथ शुरूआत करते हैं और फिर पर्सनल केयर प्रॉडक्ट्स का पूरा रेंज तैयार करने के लिए आवश्यक अन्य सामग्रियों की पर्याप्त मात्रा डालते हैं. दूसरे शब्दों में कहा जाए, तो हमारे अधिकतर उत्पादों में पहले स्थान पर 100% स्टैबेलाइज़्ड ऐलो वेरा जेल होता है. फॉरएवर लिविंग प्रॉडक्ट्स में हमारा मानना है कि क्वालिटी के साथ कभी भी समझौता नहीं हो सकता !

वर्षों हमने हर प्रकार के नैसर्गिक, उम्दा–स्वाद और पोषण से भरपूर मधु उपलब्ध कराए हैं. हमारे इस अद्भुत स्वादिष्ट मधु का उत्पादन उस वक्त किया जाता है जब पहाड़ फूलों से लद जाते हैं और मौसम खुश्क होता है. इस प्रकार बनाया गया मधु छत्ते में धीरे–धीरे परिपक्व होता है जिस कारण उनमें काफी अधिक मात्रा में एंज़ाइम और खनिज पदार्थ होती है, संसार के सभी मधु उत्पादों से अधिक ! हमारी नई पहाड़ी हनी का रंग खनिज की अधिकतम मात्रा के कारण गहरा भूरा है. इस में फूलों की प्रबल खुशबू है, गहन एवं स्थायी, कुछ फ्रूटी नोट के साथ. हमें यकीन है कि हमारे इस पहाड़ी हनी के प्रत्येक चम्मच का आप बेहतरीन आनंद लेंगे.

एफ एल पी और उसके उत्पाद इंटरनैशनल ऐलो साइंस काउंसिल सर्टिफिकेशन (आई ए एस सी), कोशेर और इस्लामिक सील से सर्टिफाइड हैं. यह आई ए एस सी के उच्च मानकों को पूरा करने वाली पहली कंपनियों में से एक है, जिसकी वजह से यह अपने उत्पादों पर आई ए एस सी स्वीकृति सील प्रदर्शित करने के लिए प्राधिकृत है. आई ए एस सी सर्टिफिकेशन के अलावा, एफ एल पी को कोशेर (के) की रेटिंग से भी नवाज़ा गया है, जो दुनिया भर में शुद्धता और गुणवत्ता के अति जटिल मानकों को पूरा करने वाले उत्पादों को दी जाती है. इसके अलावा इसको गौरान्वित करते हुए, एफ एल पी को इस्लामिल सोसायटी ऑफ कैलीफोर्निया से भी सर्टिफिकेशन मिला हुआ है, जो उच्च मानकों को प्रमाणित करता है और उत्पादन एवं पैकिंग की सभी अवस्थाओं में सफाई और शुद्धता पर दिए जाने वाले ध्यान के बारे में बताता है.

फॉरएवर लिविंग प्रॉडक्ट्स क्यों ?

फॉरएवर लिविंग शुद्ध, ताज़ा, क्षमतावान एलो वेरा से शुरू करता है और फिर विभिन्न मिश्रणों (जैसे कि लोशन, शैम्पू, स्किन केयर उत्पादों आदि) में उनके उपयोग में सहयोग के लिए अन्य सामग्रियाँ मिलाता है. दूसरे शब्दों में कहा जाए, तो हमारे अधिकतर उत्पादों में पहले स्थान पर 100% स्टैबेलाइज़्ड एलो वेरा जेल होता है. नीचे कुछ ऐसे कारण सूचीबद्ध किए गए हैं जो बताते हैं कि फॉरएवर लिविंग एलो वेरा उत्पाद ही सबसे ज़्यादा प्रभावशाली क्यों हैं कि जिन्हें आप किसी भी कीमत पर खरीद सकते हैं.

1. उगाना और काटना

फॉरएवर लिविंग के मेक्सिको स्थित दक्षिणी टेक्सास की उपजाऊ रियो ग्रांड वैली और डोमिनिकन रीपब्लिक में एलो वेरा के अपने खेत हैं. "पप्स" का पोषण किए जाने वाली नर्सरी से लेकर परिपक्व एलो वेरा पौधों को सावधानीपूर्वक खेतों में लगाने और समय पर हाथ से सावधानीपूर्वक कटाई किए जाने तक उगाने की हर प्रक्रिया पर विशेषज्ञों और देखभाल करने वाले लोगों द्वारा नज़र रखी जाती है.

एलो वेरा की 400 से ज़्यादा विभिन्न प्रजातियाँ होने के बावजूद फॉरएवर लिविंग सिर्फ एलो बार्बाडेन्सिस ही उगाता है. 100% संपूर्ण जेल की क्षमता प्रदान करने वाले सिर्फ परिपक्व एलो वेरा पौधे ही उपयोग किए जाते हैं. पूरे खेत में कटाई की आधुनिक तकनीकें लगाई जाती हैं और कार्य के किसी भी चरण में कीटाणुनाशक उपयोग नहीं किए जाते.

2. प्रक्रियाकृत करने के तरीके

फॉरएवर लिविंग एलो वेरा पत्तियों की कटाई के कुछ ही घंटों के अंदर ही प्रक्रियाकृत करता है. सावधानीपूर्वक फिल्लेटिंग के पहले दो बार इन्हें पानी से धोया जाता है. फिल्लेटिंग के कुछ ही मिनट बाद, कच्चे जेल को सिद्ध, पेटेंट की हुई प्रक्रिया द्वारा स्थिर किया जाता है, जो पौधे में कुदरती रूप से मौजूद सभी 75 विभिन्न पोषक यौगिकों को आवश्यक तौर पर संचित करता है. कटाई के समय से, स्थिरिकरण की संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान, जेल को स्वच्छ व्यावसायिक तरीके से संभाला जाता है. मशीनरी और बिल्डिंग्स साफ और स्वच्छ हैं इसलिए क्वालिटी उत्पाद सुनिश्चित होता है.

केवल शुद्ध एलो वेरा जेल ही इस्तेमाल किया जाता है. पीलेपन वाली परत (एलोइन कही जाने वाली) के साथ वाली पत्ती को फेंक दिया जाता है. स्टैबेलाइज़ करने के लिए कच्चे जेल का गूदा बच जाता है. फॉरएवर लिविंग प्रॉडक्ट्स

भोजन और कॉस्मेटिक्स के तौर पर बेचे जाने के बावजूद, उन्हें फाम र्स्युटिकल लायसेंस के साथ उत्पादित किया जाता है. इसका मतलब है कि संयंत्र, मशीनरी, परीक्षण के उपकरण आदि कठोर सरकारी नियमों के अधीन हैं.

उत्पादित हर उत्पाद के हर बैच को क्वालिटी कंट्रोल द्वारा अलगाव से तैयार मिश्रण जारी करने से पहले, दौरान और बाद में कई बार परखा जाता है. उपयोग किए जाने वाले उत्पादों को खराब होने से बचाने और उनका जीवन काल बढ़ाने के लिए सील कर दिया जाता है. **हमारे जेल्स वाली बोतलें अनूठे 3 परतों वाले प्लास्टिक से बनाई जाती हैं जो उत्पाद को ऑक्सीडेशन से बचाता है और उसे ताज़ा बनाए रखता है.**

चूँकि फॉरएवर लिविंग खुद ही स्थिरिकरण और तैयार करता है, इसलिए उत्पादों को समय के आधार पर बनाया जाता है. हम साल में एक या दो बार बड़े बैच का ऑर्डर नहीं देते और न ही उसे रखकर पुराना होने देते हैं. आप हमारे गोदाम तक पहुँचने से कुछ ही हफ्तों पहले बने, ताज़ा उत्पाद पाने का भरोसा रख सकते हैं.

3. सिद्ध परिणाम

न्यु यॉर्क की फूड एवं ड्रग लेबोरेट्रीज़ ने फॉरएवर लिविंग के स्टैबेलाइज़्ड जेल को कच्चे, परिपक्व एलो बार्बाडेन्सिस पत्ती के साथ तुलना करने का स्वतंत्र परीक्षण संचालित किया. उनके द्वारा दोनों "एकदम समान" पाए गए. दूसरे शब्दों में कहा जाए, तो आपको बोतल में जो मिलता है वह आपकी खुद की पत्ती की पट्टिका (कचरे के बिना !) करने पर आपको मिलने वाले उत्पाद के जैसा ही होगा. "फॉरएवर लिविंग प्रॉडक्ट्स" जेल्स को इंटरनैशनल ऐलो साइंस काउंसिल द्वारा सर्टिफाय किया गया है और उसने अपने उत्पादों पर काउंसिल के सील ऑफ अप्रूवल प्रदर्शित करने का अधिकार भी पाया है.

अनेक सकारात्म्क परिणामों के साथ फॉरएवर लिविंग के एलो वेरा उत्पादों को लाखों लोगों ने उपयोग किया है. फॉरएवर लिविंग एलो वेरा की बिक्री अन्य सभी एलो वेरा कंपनियों से ज़्यादा हो गई है. इसमें अधिकतर बिक्री ग्राहकों द्वारा दोहराए जाने से हुई है, जो ग्राहक संतुष्टि की उच्च दर का संकेत हैं. कई लोगों ने अन्य ब्रांड इस्तेमाल किए हैं और फिर परिणामों की तुलना करने के बाद फॉरएवर लिविंग पर वापस लौट आए हैं.

जब मैं अन्य सस्ते ब्रांड खरीद सकता हूँ तो मुझे फॉरएवर लिविंग एलो ही क्यों खरीदना चाहिए ?

यह बहुत ही जायज़ सवाल है और हम शायद आपको निम्नलिखित जानकारी देकर इसका बेहतर तरीके से जवाब दे सकते हैं :

एफ एल पी और इसके अफिलिएट्स दुनिया में एलो वेरा के सबसे बड़े उगाने वाले और वितरक हैं. हमारे यू एस ए और कैरीबियन–दोनों ही उगाने की प्रमुख जलवायु वाले क्षेत्रों में खेत हैं. इसलिए हम आपको एकदम अचूकता से बता सकते हैं कि हमारा एलो कैसे और कहाँ उगाया गया था. उदाहरण के लिए, हम जानते हैं और आपको आश्वासन दे सकते हैं कि हमारे एलो वेरा खेतों में किसी भी कीटाणुनाशक या हर्बीसाइड का इस्तेमाल नहीं किया गया है.

कटाई के लिए कौन सी पत्तियाँ पक गई हैं यह चुनने से लेकर बोतलों में भरने के बाद भंडारण के तापमान तक की हर प्रक्रिया को हम नियंत्रित करते हैं. हम किसी अन्य आपूर्तिकर्ता पर निर्भर नहीं हैं.

हमारा जेल ताज़ी कटी, परिपक्व पत्तियों से निकाला जाता है और इसके आवश्यक पोषक तत्वों को बचाने के लिए कुछ घंटों के अंदर स्टैबिलाइज़ किया जाता है. स्थिरिकरण की यह प्रक्रिया फॉरएवर लिविंग प्रॉडक्ट्स के संस्थापक, चेयरमैन ऑफ बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और सी ई ओ श्री रेक्स मॉन द्वारा पेटेंटेड है.

हमारे जेल में कोई कृत्रिम सुगंध या रंग नहीं मिलाया जाता. एक साल में कटाई के कई दौर होने की वजह से, रंग और स्वाद में फर्क हो सकता है. कुछ कंपनियों के बारे में पता चला है कि वे शेल्फों पर साल भर एक जैसा रंग बनाए रखने के लिए अपने एलो वेरा उत्पादों में ब्लीचिंग करने वाले तत्व मिलाते हैं. हमारा दृढ़ता से मानना है कि रंग में दिखाई देने वाला फर्क प्राकृतिक और स्वस्थ है.

एलो वेरा जेल में कुदरती रूप से पानी का बहुत बड़ा हिस्सा होने के बावजूद, कच्चा जेल देखने वाले हर व्यक्ति को पता चल जाएगा कि यह पतला साफ तरल नहीं है. हमारे एलो वेरा जेल को समरूप नहीं किया जाता या छाना नहीं जाता. हमारे पेय पदार्थों में भरपूर गूदा होता है जो नीचे बैठ जाता है और उसमें हमारी दैनिक खुराक के लिए आवश्यक एलो वेरा की अच्छाइयाँ होती हैं. हम आपको सुझाव देते हैं कि आप पेय पदार्थ को अच्छी तरह हिलाएँ ताकि आप हमारे गूदे का संपूर्ण लाभ पा सकें. कुछ कंपनियाँ एलो वेरा के गूदे को छानकर देती हैं जिससे वह सादे पानी जैसा दिखाई देता है.

हाल ही के समय में, होल–लीफ एलो वेरा ने काफी ध्यान आकर्षित किया है और इसके निर्माताओं द्वारा अतिरिक्त लाभ प्रदान करने वाले के रूप में पेश किया जा रहा है. वे अक्सर यह बताना टाल जाते हैं कि बाहरी पत्ती में पाए जाने वाले तेज़ रेचक तत्वों को हटाने के लिए, उन्हें पूरे तरल को चारकोल के फिल्टर्स में से गुज़ारना पड़ता है, जो जेल में पाए जानेवाले पोषकों के प्राकृतिक संतुलन को अनिवार्य रूप से बिगाड़ देता है. एफ एल पी को अपने जेल को छानने की इस प्रक्रिया से गुज़ारकर उत्पाद के एकीकरण को खतरे में डालने की कोई ज़रूरत नहीं है. चूँकि एलो वेरा के पारंपरिक, सुप्रमाणित गुण उसकी छिलके में नहीं, बल्कि उसके जेल में हैं, इसलिए एफ एल पी अनुपयोगी छिलके निकाल देता है और उन्हें अपने एलो खेतों में कुदरती खाद की तरह उपयोग करता है.

हमारा एलो वेरा उबाला नहीं जाता. उबालना या पाश्चराइज़ेशन सस्ता और तीव्रतर है. अतिरिक्त गर्मी सक्रिय

contd. on pg 31

फॉरएवर प्रत्यायन

एफ एल पी को अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से कई सर्टिफिकेशन्स और एक्रीडिटेशन्स मिले हैं. इससे इस मान्यता को बल मिलता है है कि हमारे द्वारा बनाए गए सभी उत्पादों में एफ एल पी लगातार क्वालिटी के उच्च मानक बरकरार रखता है.

1. इंटरनैशनल एलो साइंस काउंसिल सील ऑफ अप्रूवल–उत्कृष्टता की पुष्टि
2. इस्लामिक सोसायटी ऑफ कैलीफोर्निया
3. उत्पादों का परीक्षण जानवरों पर नहीं किया गया है
4. कोशेर रेटिंग
5. हलाल सर्टिफिकेशन

contd. from pg 30

सामग्रियों को नष्ट कर देती है. एंज़ाइम सक्रियता का संचयन सुनिश्चित करने के लिए हम सिर्फ सब–पाश्चराइज़ेशन तापमानों ("कूल प्रोसेसिंग" नामक) का ही इस्तेमाल करते हैं. कूल प्रोसेसिंग पोषकों को लंबे समय तक अंदर ही कैद कर देता है.

हमारा एलो वेरा फ्रीज़–ड्राइड जेल से नहीं बनाया जाता. इस तरह से कुछ कंपनियाँ "दोहरी ताकत वाले" और इसी तरह के अन्य दावों के साथ अपने उत्पाद पेश कर सकती है. हमारे उत्पादों में पौधे से लेकर उत्पाद आप के पास पहुँचने तक 100% स्टैबेलाइज़्ड एलो वेरा जेल है.

हमारे पेयों, जैली और लोशन्स पर प्रथम सामग्री 100% स्टैबेलाइज़्ड एलो वेरा ही है.

न्यु यॉर्क की फूड एवं ड्रग लेबोरेटरीज़ ने घोषणा की है कि हमारा एलो वेरा जेल कच्चे जेल के "एकदम समान" है. दूसरे शब्दों में कहा जाए, तो हमारा एलो वेरा जेल पत्ती तोड़कर और जेल को चम्मच भर से पीने जैसा है जिसमें पत्तियों में मौजूद विष और प्रदूषक नहीं हैं.

हमारे सारे उत्पादों पर पैसा वापस मिलने की गारंटी है, जो अधिकतर स्टोर से खरीदे जाने वाले एलो वेरा पर नहीं है.

अगर आहार गलत होगा, तो दवाओं का कोई फायदा नहीं. अगर आहार सही है, तो दवाओं की कोई जरूरत नहीं !

आयुर्वेदिक रिकॉर्ड्स – 500 ई.पू. से लिया गया वाक्यांश

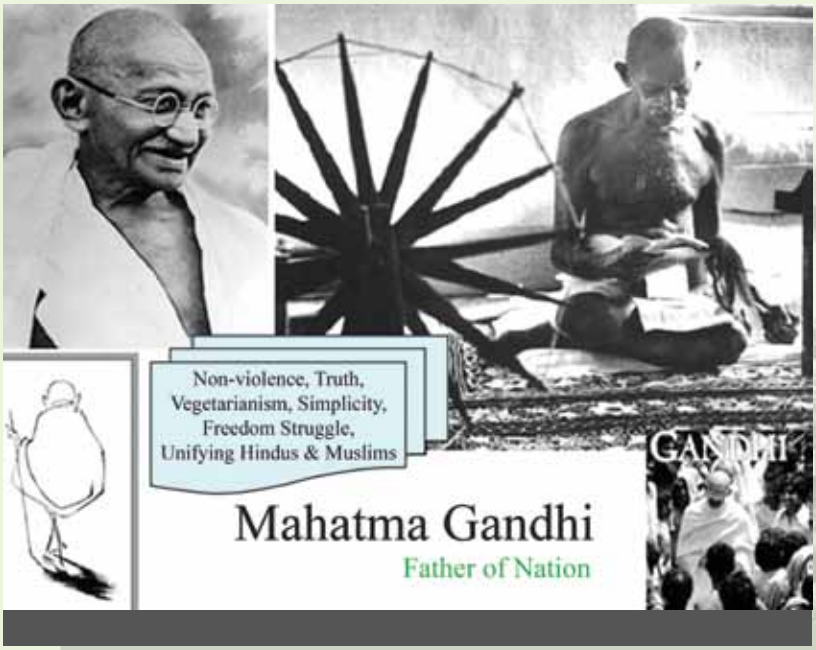

"आप मुझसे मेरे लंबे उपवासों के दौरान काम करने वाली रहस्यमयी शक्तियाँ के बारे में जानना चाहते हैं, तो सुनिए, वह था भगवान पर मेरा अटूट विश्वास, मेरी साधारण और मितव्ययी जीवनशैली और एलो जिसके गुणों के बारे में मैंने19वीं शताब्दी के अंत में दक्षिण अफ्रीका जाने पर जाना"

– महात्मा गांधी

Contact :

फॉरएवर लिविंग इंपोर्टस (इंडिया) प्रा. लि.

Mailing Address: फॉरएवर प्लाज़ा, 74 हिल रोड, बांदरा (प.), मुंबई – 400 050.
फोन : 91-22-6641 4000 फैक्स : 91-22-6641 4010 ई–मेल : flpindia@flpindia.net

Fezi/May 2015/15,000

SKU# 80062
MRP Rs. 35/- (incl. of all taxes)